दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-31 अंक-66 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 18 अप्रैल 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

अगले आदेश तक वक्फ में कोई नई नियुक्ति नहीं, सरकार को जवाब के लिए दी 7 दिन की मोहलत

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। वक्फ कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को जवाब देने के लिए 7 दिन का समय दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा है कि वक्फ संपत्ति में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी वक्फ की स्थिति जैसी है वैसी ही रहेगी। वक्फ कानून के खिलाफ 70 से ज्यादा याचिकाएं कोर्ट में दायर की गई है।

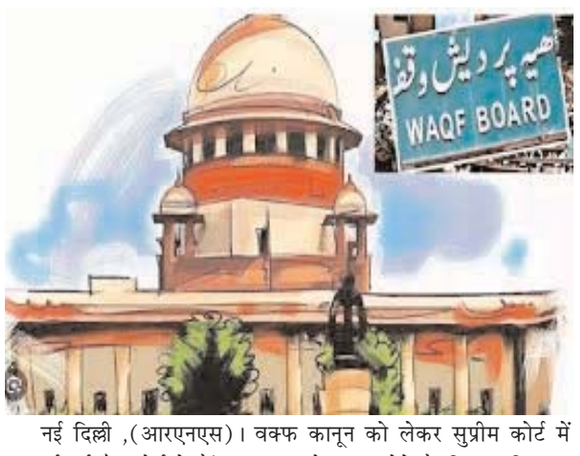

इस मामले की अगली सुनवाई 5 मई को होगी। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दलील दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल वक्फ बोर्ड और काउंसिल में कोई नियुक्ति न हो। इसपर तुषार मेहता ने कहा कि सरकार अभी नियुक्ति नहीं करने वाली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने कहा था कि कानून में कुछ सकारात्मक बातें हैं और इस पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह नहीं चाहता कि मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव हो। सरकार के जवाब तक यथास्थिति बनी रहेगी। इसके साथ ही अगले आदेश तक नई नियुक्तियां भी नहीं होगी।

सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि सरकार 7 दिनों के भीतर जवाब दाखिल करे और उस पर प्रतिउत्तर अगले 5 दिनों के भीतर दाखिल किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम फैसला नहीं दे रहे। यह तो अंतरिम आदेश होगा। सीजेआई ने कहा कि हमारे सामने जो स्थिति है उसके आधार पर हम आगे बढ़ रहे हैं। हम नहीं चाहते कि स्थिति पूरी तरह से बदल जाए। हम एक्ट पर रोक नहीं लगा रहे हैं।

योगी सरकार दो लाख से अधिक युवाओं को देगी रोजगार, फायर सेफ्टी ऑफिसर बनेंगे युवा

लखनऊ(आरएनएस)। योगी सरकार पिछले आठ वर्षों में प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नए-नए अवसर प्रदान कर रही है। इसी क्रम में योगी सरकार प्रदेश के दो लाख से अधिक युवाओं को अब अग्निशमन विभाग द्वारा प्रशिक्षण के बाद निजी संस्थानों में अग्नि सुरक्षा अधिकारी और अग्नि सुरक्षा कर्मी के पद पर तैनाती के अवसर उपलब्ध कराएगी। इसके लिए सीएम योगी के निर्देश पर विभाग ने कार्ययोजना तैयार कर ली है। इन युवाओं को ट्रेनिंग के बाद प्रदेश के मॉल, हॉस्पिटल, स्कूल और बड़े व्यावसायिक भवनों में नौकरी के अवसर उपलब्ध होंगे।योगी सरकार की यह पहल एक ओर जहां प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ेगी, वहीं दूसरी ओर प्रदेश को अधिक सुरक्षित, सजग और समय रहते आपदा से निपटने में सक्षम बनाएगी।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मुंबई में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 150 साल पूरे होने के समारोह के दौरान प्रतिष्ठित घंटी बजाती हुई।

लुधियाना वेस्ट उपचुनावः शिअद ने एडवोकेट परउपकार सिंह घुम्मण को बनाया प्रत्याशी

लुधियाना (आरएनएस)। लुधियाना विधानसभा हलका वेस्ट के उपचुनाव के लिए शिरोमणि अकाली दल ने प्रत्याशी का नाम घोषित कर दिया है। शिअद की तरफ से वरिष्ठ एडवोकेट परउपकार सिंह घुम्मण को यहां होने वाले उपचुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया गया है। एडवोकेट घुम्मण लंबे समय से अकाली दल से जुड़े हुए हैं।

शिअद के सीनियर नेता महेशइंद्र सिंह ग्रेवाल ने कहा कि एडवोकेट पीएस घुम्मन को अकाली दल ने उप-चुनाव में उम्मीदवार घोषित किया है। घुम्मन एक पढ़े लिखे उम्मीदवार है। हमेशा लोगों के हकों के लिए वह पहले भी कानूनी लड़ाइयां लड़ते रहे है। अब लोगों के बीच जाकर सेवा करेंगे।

महेशइंद्र ग्रेवाल ने कहा कि अकाली दल एक है। उप-चुनाव में जीत शिअद उम्मीदवार भारी बहुमत से विजय प्राप्त करेंगे। शहर में जल्द ही शिअद के बड़े नेता रैलियां और चुनाव प्रचार करेंगे। यहां से इससे पहले कांग्रेस ने भारत भूषण आशू और आम आदमी पार्टी ने संजीव अरोड़ा को प्रत्याशी घोषित किया हुआ है।

महागठबंधन के लोग कितनी भी बैठकें कर लें, बिहार में एनडीए ही जीतेगा : सम्राट चौधरी

पटना (आरएनएस)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को पटना में महागठबंधन की बैठक पर तंज कसते हुए कहा कि वे कितनी बार भी मिल लें, जीतेगा एनडीए ही। सम्राट चौधरी ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि तीन चुनावों से चाहे वह 2019 का लोकसभा चुनाव हो, 2020 का विधानसभा चुनाव हो या 2024 का लोकसभा चुनाव हो, बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में और देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने महागठबंधन को हराने का काम किया है और आगे भी हारते ही रहेंगे।अगले चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व पर उठाए जा रहे सवालों पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, एनडीए में कोई कंफ्यूजन नहीं है, हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही रहेंगे।इससे पहले पटना के विद्यापति भवन में वक्फ संशोधन कानून के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि इस कानून के बाद मुस्लिम समाज ने प्रधानमंत्री का दिल खोलकर धन्यवाद किया है।

गुस्से में धनखड़ बोले- अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं, सरकार के खिलाफ अदालत के हाथ लगा परमाणु बम

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 145(3) के तहत सुप्रीम कोर्ट को केवल संविधान की व्याख्या करने का अधिकार है और वह भी कम से कम पांच जजों की पीठ द्वारा उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, हम ऐसी स्थिति नहीं ला सकते, जहां राष्ट्रपति को निर्देश दिया जाए। संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट का अधिकार केवल अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने कहा कि जब यह अनुच्छेद बनाया गया था, तब सुप्रीम कोर्ट में केवल आठ जज थे और अब 30 से अधिक हैं। हालांकि, आज भी पांच जजों की पीठ ही संविधान की व्याख्या करती है। उपराष्ट्रपति ने पूछा कि क्या यह न्यायसंगत है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि राष्ट्रपति को कोर्ट द्वारा निर्देशित किया जाएगा। राष्ट्रपति भारत की सेना की सर्वोच्च कमांडर हैं और केवल वही संविधान की रक्षा, संरक्षण और सुरक्षा की शपथ लेते हैं। फिर उन्हें एक निश्चित समय में निर्णय

लेने का आदेश कैसे दिया जा सकता है। उन्होंने कहा, हाल ही में जजों ने राष्ट्रपति को लगभग आदेश दे दिया और उसे कानून की तरह माना गया, जबकि वे संविधान की ताकत को भूल गए। अनुच्छेद 142 अब लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ एक 'न्यूक्लियर मिसाइल' बन गया है, जो चौबीसों घंटे न्यायपालिका के पास उपलब्ध है। धनखड़ ने 'बेसिक स्ट्रक्चर' सिद्धांत को लेकर भी पूर्व न्यायाधीशों पर निशाना साधा। उन्होंने एक पूर्व जज द्वारा लिखित पुस्तक के विमोचन समारोह का जिक्र किया, जिसमें इस सिद्धांत की प्रशंसा की गई थी। उन्होंने कहा, केशवानंद भारती केस में 13 जजों की पीठ थी और फैसला 7 अनुपात 6 से हुआ था। इसे अब हमारी रक्षा का आधार बताया जा रहा है, लेकिन उसी के दो साल बाद 1975 में आपातकाल लगाया गया। लाखों लोगों को जेल में डाला गया और सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकार लागू नहीं होंगे। फिर इस सिद्धांत का क्या हुआ? उन्होंने सवाल उठाया कि जब आपातकाल के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने नौ उच्च न्यायालयों के फैसलों को पलट दिया, तब 'बेसिक स्ट्रक्चर' सिद्धांत की रक्षा क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा, अब जज कानून बनाएंगे, कार्यपालिका की भूमिका निभाएंगे, संसद से ऊपर होंगे और उनके लिए कोई जवाबदेही नहीं होगी। हर सांसद और उम्मीदवार को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है, लेकिन जजों पर यह लागू नहीं होता। धनखड़ ने इस बात पर भी अफसोस जताया कि जनता इन सवालों को नहीं उठाती और उन्हें गुमराह करने वाली कथाएं परोसी जाती हैं।

'अमेरिका से टैरिफ के मुद्दे पर बात कर रहा भारत', विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान को लेकर कही ये बड़ी बात

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से अलग-अलग मुद्दों पर बयान जारी किया गया है। पाकिस्तान के ष्टह्रस् के मुद्दे पर विदेश मंत्रालय ने कहा, कोई विदेशी चीज कैसे किसी के गले में अटक सकती है। यह भारत का एक केंद्र शासित प्रदेश है। पाकिस्तान के साथ इसका एकमात्र संबंध उस देश द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए क्षेत्रों को खाली करना है। वहीं आतंकी तहव्वुर राणा को लेकर विदेश मंत्रालय ने कहा

कि पाकिस्तान लाख कोशिश कर ले, लेकिन वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में उसकी प्रतिष्ठा कम नहीं होगी। राणा का प्रत्यर्पण पाकिस्तान को याद दिलाता है कि उसे मुंबई हमलों के अन्य अफराधियों को न्यायिक कटघरे में लाने की जरूरत है, जिन्हें वह अबतक बचा रहा है। वक्फ संशोधन अधिनियम पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, वक्फ विधेयक के सभी तत्व भारत का आंतरिक मामला है। वक्फ संशोधन विधेयक में ऐसे नियम सुझाए गए हैं जो सभी को साथ लेकर चलें और समाज के लिए बेहतर हों। इसका मकसद यह है कि जिन लोगों के लिए यह बनाया गया है, उन्हें ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले।

हिंदू समुदाय के लिए खतरा बन चुकी हैं ममता बनर्जी : मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता(ए)। फिल्म अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पर बड़ा और गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने साफ कहा कि बनर्जी हिंदु समुदाय के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुकी हैं। उन्होंने वक्फ कानून को बंगाल में लागू न करने लिए तल्ख लहजे में सवाल किया कि क्या ममता बनर्जी संविधान ऊपर हैं, उन्हें ये हक किसने दिया? अभिनेता ने आरोप लगाया कि राज्य में हो रही साम्प्रदायिक हिंसा के लिए ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। मिथुन बोले, बीजेपी नहीं, ममता बनर्जी ही साम्प्रदायिक तनाव फैला रही हैं। वो समुदायों के बीच फूट डालने का काम कर रही हैं। बंगाली हिंदू अब बेघर हो गए हैं, राहत कैंपों में खिचड़ी खा रहे हैं। उनकी गलती क्या है? चक्रवर्ती का यह बयान उस वक्त आया जब ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद की हिंसा को पूर्व-नियोजित बताया था और आरोप लगाया था कि इसमें बीएसएफ, केंद्रीय एजेंसियां और बीजेपी शामिल हैं, जिन्होंने बांग्लादेश से लोगों की घुसपैठ कराई। मिथुन चक्रवर्ती ने ममता के इस बयान को गुमराह करने वाला बताया और कहा कि मुख्यमंत्री मुस्लिम समुदाय को जानबूझकर भटका रही हैं।

भारत ने बांग्लादेश को इशारों ही इशारों में समझाकर कहा- हमसे व्यापार युद्ध में न उलझो

नई दिल्ली(ए)। बांग्लादेश ने भारत से अच्छे भले रिश्ते खराब कर लिए हैं। भारत ने बांग्लादेश की हालिया व्यापारिक नीतियों और बयानों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। हालांकि, इसके बावजूद भारत सरकार ने संकेत दिए हैं कि वह तत्काल जवाबी कार्रवाई (टिट-फॉर-टैट) से बचने की कोशिश करेगी ताकि दोनों देशों के बीच संबंधों को और खराब होने से रोका जा सके। भारत का स्पष्ट कहना है कि वह बांग्लादेश के साथ किसी भी तरह के व्यापार युद्ध में नहीं उलझना चाहता, भले ही ढाका की ओर से व्यापार को लेकर संकेत सकारात्मक नहीं रहे हैं। बांग्लादेश ने हाल ही में भारत से भूमि सीमा के जरिए धागा (यार्न) आयात पर रोक लगा दी।

मध्यप्रदेश में गिद्ध संरक्षण को मिल रही नई दिशाः मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल के केरवा गिद्ध प्रजनन केंद्र से 6 गिद्ध प्राकृतिक वातावरण में छोड़े गए

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में वन्य जीव पर्यटन में नए आयाम जुड रहे हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गिद्धों का संरक्षण न केवल जैव विविधता की रक्षा के लिए आवश्यक है, अपितु पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की दृष्टि से भी अनिवार्य है।

प्रदेश में गिद्ध संरक्षण को भी नई दिशा दी जा रही है। भोपाल स्थित केरवा गिद्ध प्रजनन केन्द्र से 6 गिद्धों को बुधवार को पहली बार प्राकृतिक वातावरण में छोडा गया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि राज्य सरकार ने गिद्धों सहित अन्य पशु पक्षियों की संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण के लिए सतत प्रयास किए हैं। एशिया से लुप्त हो रहे चीतों के पुनर्वास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दक्षिण अफ्रीका के देशों से चीते लाकर कूनो अभ्यारण में उनका संरक्षण एवं संवर्धन किया गया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक वातावरण में छोडे गए गिद्धों पर जीपीएस ट्रैकर लगाए गए हैं,जिससे उनके आवागमन, व्यवहार एवं सुरक्षा की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

अस्पताल में आग, मरीज को निकालने के दौरान ऑक्सीजन मास्क उतरने से मौत

भोपाल (आरएनएस)। मुरैना जिला अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में बुधवार को आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। आग ने मुख्य ऑपरेशन थियेटर, बर्न यूनिट और सर्जिकल वार्ड को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान तीमारदार अपने मरीजों को बाहर निकालने के लिए दौड़ पड़े। जल्दबाजी में एक मरीज का ऑक्सीजन मास्क उतर गया। पुलिस ने बताया कि दुख की बात यह है कि जब तक उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।आग की लपटों से निकलने वाले धुएं ने सर्जिकल वार्ड से सटे गैलरी को तेजी से अपनी चपेट में ले लिया, जिसके कारण सर्जिकल वार्ड और वार्ड नंबर 1 से मरीजों को तुरंत बाहर निकालना पड़ा। कुछ लोगों ने मरीजों को सुरक्षित निकालने में मदद की, जबकि अन्य ने अपने ड्रिप को निकाल लिया और खुद ही बाहर निकल गए।

शहर की पुलिस अधीक्षक (एसपी) दीपाली चंदोरिया ने आईएएनएस को बताया, जैसे ही आग तेजी से फैली, तीमारदार अपने मरीजों को बाहर निकालने के लिए दौड़ पड़े। अफरातफरी में एक मरीज का ऑक्सीजन मास्क उतर गया, जिससे उसे सुरक्षित बाहर निकालने से पहले ही उसकी दुखद मौत हो गई।आग लगने के कारण सर्जिकल वार्ड से सटी गैलरी में धुआं भर गया, जिससे सर्जिकल वार्ड और वार्ड नंबर 1 से मरीजों को तुरंत बाहर निकालना पड़ा।

अजमेर दरगाह में शिव मंदिर के दावे पर हाईकोर्ट में सुनवाई, केन्द्र ने अंजुमन कमेटी की याचिका पर उठाए सवाल

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान हाईकोर्ट में बुधवार को अजमेर दरगाह परिसर में शिव मंदिर होने के दावे से जुड़े मामले की सुनवाई हुई। यह याचिका दरगाह के खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान की ओर से दायर की गई थी, जिसमें अजमेर की सिविल अदालत में चल रहे वाद की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

याचिका पर सुनवाई जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की एकल पीठ में हुई। अंजुमन कमेटी की ओर से अधिवक्ता आशीष कुमार सिंह और वागीश कुमार सिंह ने बहस करते हुए कहा कि प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट, 1991 के तहत ऐसे मामलों पर सुनवाई पर रोक है। सुप्रीम कोर्ट भी स्पष्ट कर चुका है कि 15 अगस्त 1947 की स्थिति को बरकरार रखा जाए और इस कानून के तहत धार्मिक स्थलों को लेकर नए विवाद न उठाए जाएं।

इसके बावजूद अजमेर की सिविल कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है, जो कानून की भावना के विरुद्ध है। इसलिए इस पर तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए।

वहीं, केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल आरडी रस्तोगी ने अंजुमन कमेटी की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि कमेटी इस वाद में पक्षकार नहीं है, अत: वह इस मामले में याचिका दायर करने की पात्र नहीं है। ऐसे में याचिका सुनवाई योग्य नहीं मानी जानी चाहिए।

गौरतलब है कि हिंदू सेना के राष्टीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने 23 सितंबर 2024 को अजमेर कोर्ट में वाद दायर कर दावा किया था कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह परिसर में संकट मोचन महादेव का मंदिर स्थित है। इस याचिका में दरगाह कमेटी, अल्पसंख्यक मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को पक्षकार बनाया गया है।

अब इस याचिका पर अगली सुनवाई 19 अप्रैल को अजमेर की अदालत में होनी है, जबकि हाईकोर्ट ने भी इस मामले की सुनवाई एक सप्ताह बाद तय की है।

एसबीआई में सैलरी अकाउंट वाले झारखंड के सरकारी कर्मियों को मिलेगा एक करोड़ का दुर्घटना बीमा

रांची (आरएनएस)। झारखंड सरकार ने अपने कर्मचारियों के सैलरी पैकेज को लेकर भारतीय स्टेट बैंक के साथ एक महत्वपूर्ण एमओयू किया है। इसके तहत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में सैलरी अकाउंट वाले राज्य कर्मियों को एक करोड़ रुपए तक का दुर्घटना बीमा कवरेज मिलेगा। इसके अलावा उन्हें स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा और कई अन्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ भी मिलेगा। इन सुविधाओं के लिए कर्मियों को किसी अतिरिक्त शुल्क का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में गुरुवार को आयोजित एक कार्यक्रम में राज्य सरकार के वित्त विभाग की विशेष सचिव राजेश्वरी बी. और एसबीआई के उप महाप्रबंधक देवेश मित्तल ने इससे संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अलका तिवारी और भारतीय स्टेट बैंक के झारखंड-बिहार के मुख्य महाप्रबंधक के.बी. बंगाराजू भी समारोह में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सभी श्रेणी के सरकारी कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्हें आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में आज से एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में सरकारी कर्मियों की अहम भूमिका होती है। राज्य कैसे आगे बढ़े, इसके लिए नीति निर्धारण से लेकर कार्य योजनाओं को धरातल पर उतारने का माध्यम सरकारी कर्मचारी बनते हैं। ऐसे में सरकारी कर्मियों का मनोबल बढ़ाने के साथ, उन्हें कार्य करने के लिए बेहतर वातावरण दिया जा रहा है। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों से राज्य हित में पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन की अपील की। के.बी. बंगाराजू ने इस मौके पर कहा कि एसबीआई का उद्देश्य बैंकिंग के साथ-साथ देश और राज्य के विकास में सहभागिता भी है। बैंक अपने खाताधारकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करनेकेलिए प्रतिबद्ध है।

जल संरक्षण के संदेश के साथ बच्चों ने उकेरी रंगों की दुनिया

भोपाल (आरएनएस)। जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत गुरुवार को भोपाल स्थित सेक्टर क्रमांक-5, रातीबड़ की केकड़ियां भानपुर शासकीय माध्यमिक शाला में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहन देना था।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण का कार्य ब्लॉक समन्वयक सुश्री टीना शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को जल संरक्षण के महत्व पर विस्तृत जानकारी भी दी। सभी प्रतिभागियों को आगामी दिवसों में प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

कार्यक्रम में स्कूल प्रभारी अनिता सारस्वत सहित अतुल शुक्ला, फ्तेह सिंह, अरविंद कुमार मीणा, अनिता रावत, अनिता साल्वे, मुकेश चंद्र शर्मा तथा नवांकुर चयनित संस्था लुवाणा एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष कैलाश लुवाणा एवं संचालक अशोक रैकवार, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इसी क्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के वॉलिंटियर्स द्वारा आमजन को जल संरक्षण से जोड़ने हेतु MY Bharat पोर्टल (mybharat.gov.in) पर जलदूत के रूप में वॉलिंटियर रजिस्ट्रेशन भी करवाया गया, जिससे अभियान को जन सहभागिता से और अधिक व्यापक रूप में आगे बढ़ाया जा सके।

मेरा ईकेवायसी ऐप से राशन के पात्र हितग्राही खुद कर सकते हैं ई-केवायसी-खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल (आरएनएस) प्रदेश में पीडीएस अंतर्गत उचित मूल्य की दुकानों से राशन प्राप्त करने वाले सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने के लिए 9 से 30 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मोबाईल फोन पर ई-केवायसी की सुविधा भी गुरूवार से उपलब्ध करायी जा रही है। इसके लिए मेरा ई-केवायसी ऐप प्रदेश में लांच किया गया है। इस ऐप के माध्यम से राशन लेने वाले वृद्ध, दिव्यांग एवं बच्चों सहित कोई भी हितग्राही किसी भी एन्ड्राइड मोबाईल फोन से अपना और अपने परिजन का आधार नम्बर ओटीपी दर्ज करके घर बैठे ई-केवायसी कर सकते हैं।मंत्री राजपूत ने बताया है कि ऐप के साथ ही राशन लेने वाले हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हर जिले में गांव और वार्ड स्तर पर ई-केवायसी कराने के लिए शिविर लगाये जा रहे हैं। शिविर में उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, वार्ड प्रभारी, ग्राम पंचायत सचिव और रोजगार सहायक के दल द्वारा पीओएस मशीन को शिविर में ले जाकर हितग्राहियों के अंगूठे लगाकर उनकी ई-केवायसी की जा रही है।खाद्य मंत्री ने प्रदेश के सभी राशन लेने वाले हितग्राही, जिन्होने अभी तक ई-केवायसी नहीं करवाई है, उन सभी से अपील की है कि अभियान के तहत मोबाईल फोन अथवा पीओएस मशीन से अतिशीघ्र अपनी और अपने परिवारजनों की शत-प्रतिशत ई-केवायसी पूर्ण करायें। इससे मई माह से आप सभी को सुविधापूर्वक राशन प्राप्त हो सकेगा।

मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया हुई ऑनलाइन

भोपाल (आरएनएस)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना के आवेदन प्रक्रिया को ऑनलाइन कर आसान बना दिया गया है। कल्याणी महिला (विधवा महिला) सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के विवाह पोर्टल http-sÑ//vivahportal.mp.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकती है। मंत्री कुशवाह ने सभी जिलाधिकारियों को प्राप्त आवेदन पत्रों का 30 दिवस में अनिवार्य रूप से निराकरण के निर्देश दिए है।प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण सशक्तिकरण सोनाली वायंगणकर ने बताया कि प्रदेश में निवासरत कल्याणी बहनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से वर्ष 2018 से मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह सहायता योजना संचालित की जा रही है। योजना में कल्याणी बहनों को विवाह उपरांत 2 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। विभाग द्वारा योजनांतर्गत आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में वर्ष-2026 तक देश होगा नक्सलवाद से मुक्त : केन्द्रीय मंत्री शाह

नीमच (आरएनएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा। इस प्रण को पूरा करने में सीआरपीएफकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीआरपीएफ ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराए। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक जहां जरूरत होती है, सीआरपीएफके जवान सदैव कर्तव्य पथ पर तत्पर रहते हैं। देश का जब भी स्वर्णिम इतिहास लिखा जाएगा, उसमें सीआरपीएफ के शहीदों के नाम स्वर्ण अक्षरों से लिखे जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री शाह गुरुवार को नीमच स्थित सीआरपीएफके ग्रुप सेंटर में सीआरपीएफके 86वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया, सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिह, क्षेत्र के लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर सहित जिले के तीनों विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफके कर्मियों के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने सीआरपीएफ की आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी गतिविधियों, शांति स्थापना के कार्यों में निभाई गई भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि जहां सीआरपीएफहै, वहां चिंता करने की कोई बात नहीं। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि आज सीआरपीएफके 3 लाख जवान देश में कानून-व्यवस्था और शांति स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। देश की संसद पर आतंकी हमले और श्रीराम जन्मभूमि पर हमले जैसी मुश्किल समय में कई बार सीआरपीएफ जवानों ने वीरता का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर करते हुए बलिदान दिया।केन्द्रीय मंत्री ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के शहीद जवानों को नमन करते हुए कहा कि सीमा क्षेत्रों से लेकर अंदरूनी इलाकों तक देश की सुरक्षा में सीआरपीएफके योगदान को कोई भुला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा सीएपीएफकर्मियों को आयुष्मान कार्ड और आवास योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सीआरपीएफमें अब महिलाओं की भी भर्ती हो रही है। उनके लिये भी आवास सुविधा विकसित की जा रही है। सीआरपीएफको आधुनिक बनाए रखने के लिये केन्द्र सरकार की ओर से उत्कृष्ट सुविधा प्रदान की जा रही है। सीआरपीएफको 2708 वीरता पदक प्राप्त हुए हैं, जो अद्भुत वीरता के परिचालक हैं।स्थापना दिवस पर केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। परेड में सीआरपीएफकी 8 टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया। शाह ने कहा कि आज की परेड जवानों में नई ऊर्जा का संचार करेगी। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने वीरता पदकों के लिए चयनित जवानों को सम्मानित कर विशिष्ट सेवाओं के लिये सुरक्षा बल के जवानों को पुरस्कृत भी किया।

देर रात बाइक शोरूम के वर्कशॉप में आग लगने से मचा हड़कंप

-4 दमकलो की मदद से 1 घंटे में पाया काबू, लाखो का माल जला

भोपाल(ए)। शहर के रायसेन रोड स्थित एक बाइक शोरूम के वर्कशॉप में बुधवार रात अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। तेजी से फैलती आग ने विकराल रुप धारण कर लिया जिसकी चपेट में आने से वर्कशॉप में रखे गाड़ियों के पाट्र्स सहित अन्य सामान पूरी तरह से जल गया। जानकारी के अनुसार रात करीब पौने 9 बजे प्रभात चौराहे से थोड़ी दूरी पर अप्सरा टॉकीज के पास सुरजीत बजाज के वर्कशॉप के शटरों से धुआं निकलता देख फायर स्टेशन को जानकारी दी गई। खबर मिलते ही गोविंदपुरा, पुल बोगदा फायर स्टेशन से 4 दमकलो सहित वाटर टैंकर मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरु कर दिये। करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद पर आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने से कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन भीषण आग की चपेट में आकर वर्कशॉप में रखा सामान पूरी तरह जल गया। फिलहाल आग लगने का कारण साफ नहीं हो सका है।

पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों की स्थानांतरण नीति शीघ्र होगी घोषित : मंत्री श्री पटेल

आवास प्लस योजना में 27 लाख आवास मंजूर, 6.5 लाख आवासों को भी मिलेगी मंजूरी

भोपाल (निप्र)।पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम एवं रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में गुरूवार को जिला योजना समिति की बैठक हुई। बैठक में शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज का नाम कल्पना चावला पॉलिटेक्निक कालेज करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मेसर्स गोकुलदास एक्सपोर्ट लिमिटेड बैंगलोर के सहयोग से शासकीय कन्या महाविद्यालय के छात्रावास में सिलाई एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र शुरू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायत सचिवों तथा ग्राम रोजगार सहायकों के स्थानांतरण की नीति शीघ्र घोषित होगी। इसके अनुसार ही स्थानांतरण किए जाएंगे।

सिकल सेल खत्म करने में हर व्यक्ति का सहयोग जरूरी : राज्यपाल पटेल

भोपाल (आरएनएस)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सिकल सेल खत्म करने में हर व्यक्ति का सहयोग जरूरी है। सरकार और समाज की सहभागिता से ही सिकल सेल रोग का उन्मूलन होगा। सिकल सेल की जांच, उपचार, औषधि एवं जेनेटिक कार्ड वितरण में सरकार अच्छा कार्य कर रही है। समाज को भी आगे आना होगा। वर्ष 2047 में कोई भी बच्चा सिकल सेल रोग के साथ जन्म नहीं ले। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हर व्यक्ति को मेरा भी योगदान हो इस भाव के साथ सिकल सेल उन्मूलन में जुड़ना होगा। उन्होंने बी.एम.एच.आर.सी. के सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों में डीएनए सिक्वेंसर मशीन प्रयोग शाला की स्थापना को सकारात्मक पहल बताते हुए सराहना की है। राज्यपाल पटेल भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र में आयोजित सिकल सेल पर केन्द्रित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संस्थान द्वारा संगोष्ठी का आयोजन आनुवंशिक विश्लेषण प्रयोगशाला के लोकार्पण अवसर पर किया गया था। इससे पूर्व राज्यपाल पटेल ने आनुवंशिक विश्लेषण प्रयोगशाला का लोकार्पण और अवलोकन किया। रोगियों को किट प्रदान की। बीएमएचआरसी के सक्षमता केन्द्र से दिग्दर्शिका के प्रकाशन का लोकार्पण किया। राज्यपाल पटेल ने कहा कि सिकल सेल को समाप्त करने में हर व्यक्ति सहयोग कर सकता है। प्रयास करना होगा कि सिकल सेल रोगियों का आपस में विवाह नहीं हो, क्योंकि उनके बच्चे शत प्रतिशत सिकल सेल रोगी होगें। ऐसे प्रयास भी किए जाए कि वाहक युगल भी आपस में विवाह नहीं करें। वाहक दंपतियों के प्रत्येक गर्भधारण में संतान के रोगी होने की सम्भावना 25 प्रतिशत होगी। विवाह होने पर गर्भावस्था मे प्रि-नेटल जांच अवश्य कराए। उन्होंने कहा कि यह भी बताना उतना ही जरूरी है कि सामान्य के साथ रोगी अथवा वाहक के विवाह में कोई बाधा नहीं है। इसी तरह सिकल सेल रोगियों, वाहकों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए खान-पान एवं दिनचर्या संबंधी सावधानियों के बारे में भी सचेत करने मे समाज का सक्रिय सहयोग जरूरी है।

एनडीआरएफ,एसडीईआरएफद्वारा आपदा के दौरान उपयोग होने वाले जीवन रक्षक उपकरणों की प्रदर्शनी का आयोजन किया

भोपाल(आरएनएस)। भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को सेंट्रल पॉवर रिसर्च इंस्टीट्यूट के सामने ,रासायनिक औद्योगिक आपदा पर मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। यह अभ्यास आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने तथा जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। एडीएम अंकुर मेश्राम ने बताया कि भोपाल सहित प्रदेश के 10 जिलों में रासायनिक औद्योगिक आपदा पर आधारित मॉक अभ्यास आयोजित किया गया। इस ड्रिल का उद्देश्य प्रतिक्रिया रणनीतियों को परिष्कृत करना और आपदा प्रबंधन हितधारकों के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करना था।

बेजुबान बकरे को बेरहमी से मारने वाले हैवान के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भोपाल(ए)। राजधानी भोपाल में पशु क्रूरता का बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुए एक वीडियो से लोगो में आक्रोश फैल गया। इस वीडियो में एक युवक बकरे के पैर बांधकर उसे बेरहमी से पीटते हुए दिखाई दे रहा है।

वायरल वीडियो कोतवाली थाना क्षेत्र के नूर महल इलाके में स्थित अल रशीद अस्पताल के पास का बताया गया था। वीडियो में नजर आ रहा है एक युवक बकरे के पैर बांधकर उसे लात-घूसों से बेरहमी से पीट रहा है। बेजुबान पशु के साथ क्रूरता का वीडियो वायरल होने पर पशु प्रेमियो में आक्रोश फैल गया। इसके बाद पशु प्रेमी हैवान बने युवक की जानकारी जुटाने के बाद कोतवाली थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस का कहना है कि कबीरा भम्बानी की शिकायत पर आरोपी आजमी के खिलाफ पशु क्रुरता की धाराओ के तहत मामला दर्ज किया गया है, वहीं घटना स्थल इमामी गेट का बताया जा रहा है। पुलिस घटना में आगे की जॉच कर रही है। आरोपी की करतूत का वीडियो थोड़ी दूरी पर स्थित अन्य मकान में रहने वाले परिवार के किसी सदस्य ने बनाकर इसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था।

प्रदेश में शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूल में हो नामांकन

संभागीय और जिला कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी स्कूलों का करें सतत निरीक्षण

श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारी होंगे पुरस्कृत

भोपाल (निप्र)। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रयास होना चाहिये कि प्रदेश के शत-प्रतिशत बच्चों का स्कूल में नामांकन हो। इसके लिये उन्होंने टीम वर्क के साथ काम करने के निर्देश दिये। उन्होंने अनेक जिलों में अब तक कराये गये नामांकन की जानकारी प्राप्त की। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि विभाग के जो अधिकारी-कर्मचारी श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे, उनका सार्वजनिक रूप से सम्मान किया जायेगा। कार्य के प्रति गैर-जिम्मेदार रहने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह गुरुवार को मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस से विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर शिक्षा को नई दिशा दें। बैठक में स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता, संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह और विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

नामांकन दर बढ़ाने के दिये निर्देश

मंत्री श्री सिंह ने एक अप्रैल, 2025 से शुरू हुए प्रदेशव्यापी प्रवेश उत्सव की जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अप्रैल अंत तक स्कूल जाने योग्य बच्चों का नामांकन हो जाये, यह सुनिश्चित किया जाये। मंत्री श्री सिंह ने स्कूलों में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था की जानकारी भी ली। मंत्री श्री सिंह ने अतिथि शिक्षकों की पदस्थापना के लिये जल्द पोर्टल शुरू किये जाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अतिथि शिक्षकों की आवश्यकता की मैपिंग का कार्य जल्द पूरा किया जाये।

टाइम टेबल बनाकर करें हॉस्टल्स का निरीक्षण

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने विभाग के हॉस्टल्स का निर्धारित टाइम टेबल बनाकर निरीक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गर्ल्स हॉस्टल में सुरक्षा के इंतजामों की समीक्षा की जाये। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि स्कूलों के विभिन्न कार्यों में विधायक और सांसद निधि का उपयोग किया जाये।

जिम्मेदार कड़ी के रूप में काम करें अधिकारी

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि जिला और राज्य स्तर के अधिकारियों के बीच संभागीय अधिकारी कड़ी के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने कार्य क्षेत्र का निरंतर दौरा करें। कार्यालयों में लंबित पेंशन और अनुकम्पा नियुक्ति संबंधी प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाये। उन्होंने कहा कि जून माह में संभाग और जिला स्तर पर पदस्थ अधिकारियों के साथ पुनः समीक्षा की जायेगी। स्कूल सचिव डॉ. गोयल ने बताया कि शिक्षकों के उपस्थिति पोर्टल पर अटेंडेंस का कार्य शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये शिक्षकों के प्रशिक्षण पर जोर दिया जायेगा।

ताप विद्युत गृहों की ऊर्जा कुशलता से आयी ट्रिपिंग में कमी और घटी विद्युत उत्पादन लागत

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के 4 ताप विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऑपरेशन (संचालन) क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूर्व की तुलना में अधिक उत्पादन किया। साथ ही विद्युत गृहों की ट्रिपिंग दर पूर्व की तुलना में कम हो गई। विद्युत गृहों के ऑपरेशन में ट्रिपिंग, विशिष्ट तेल की खपत में कमी, ऑक्जलरी कंजम्पशन महत्वपूर्ण मापदंड हैं। पॉवर जनरेटिंग कंपनी के चारों ताप विद्युत गृहों की 12 विद्युत यूनिट ने इन मापदंडों में महत्वपूर्ण उपलब्धिहासिल की है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ताप विद्युत गृहों की इस उपलब्धि पर इंजीनियरों, तकनीशियनों और संचालन टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि प्रभावी प्रबंधन नीति, तकनीकी उन्नयन व कड़ाई से ऑपरेशन नियमों का पालन करने से यह लक्ष्य हासिल किया गया।

विद्युत गृहों की ट्रिपिंग में निरंतर कमी

पॉवर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों की यूनिट में किए गए सुधार कार्य व बेहतर मेंटेनेंस के कारण ट्रिपिंग में उल्लेखनीय कमी आई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विद्युत गृहों में मात्र 85 ट्रिपिंग दर्ज की गईं। इससे पूर्व वर्ष 2019-20 में 150 ट्रिपिंग दर्ज होती रही हैं।

विशिष्ट तेल खपत की कमी से परिचालन लागत में आई कमी

पॉवर जनरेटिंग कंपनी द्वारा विद्युत उत्पादन लागत में कमी के लगातार प्रयास किए गए। इससे ताप विद्युत यूनिट की विशिष्ट तेल खपत वर्ष 2024-25 में 0.51 मिलीलीटर प्रति यूनिट रही।

राज्यमंत्री गौर ने किया क्षेत्र का औचक निरीक्षण, जनसमस्याओं का किया त्वरित निराकरण

भोपाल (आरएनएस)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने क्षेत्र के विकास के लिए अधिकारियों से रोडमैप बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी कार्य में देरी न हो। राज्यमंत्री गौर लगातार क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर रही हैं और रहवासियों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित कर रही हैं।राज्यमंत्री गौर ने नारायण नगर नर्मदापुरम रोड के श्रीदुर्गा मंदिर से भ्रमण की शुरुआत की। जहां रहवासियों ने पानी की समस्या से उन्हें अवगत कराया। इसपर राज्यमंत्री गौर ने अधिकारियों को सम्पवेल को जल्द से जल्द शुरु करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पानी सप्लाई की समय सीमा तय करें, जिससे आम लोगों को परेशानी न हो। राज्यमंत्री गौर ने नारायण नगर की सीवेज लाइन को अमृत फेज 2 में शामिल कर इंटरनल नेटवर्क का रोडमैप तैयार करने के भी निर्देश दिए हैं। राज्यमंत्री गौर ने बावड़ियाकलां, आमनगर, डीके कॉटेज का भी भ्रमण किया।

पति के सिर में चोट लगी तो पत्नी ने बिना तलाक दूसरी शादी कर ली

तीन साल तक घर जमाई बनकर रहा, अब पत्नी को वापस लाने की पुलिस से लगाई गुहार

उज्जैन, (ए)। नानाखेड़ा क्षेत्र स्थित विक्रम एवेन्यू में रहने वाले युवक की 2021 में बड़नगर की युवती से शादी हुई थी। वह ससुराल में घर जमाई बनकर रह रहा था। दिसंबर 2024 में वह दुर्घटना में घायल हो गया। 20 दिन उपचार के बाद उसे उज्जैन लाया गया। यहां से उसकी पत्नी वापस मायके चली गई और दो हफ्ते पहले उसने बिना तलाक के दूसरी शादी कर ली। युवक ने नीलगंगा थाने में शिकायती आवेदन देकर पत्नी को वापस दिलाने की गुहार लगाई है।

विक्रम एवेन्यू कॉलोनी में रहने वाले सुनील पिता राजाराम ने बताया कि उसकी दिसंबर 2021 में पिंकी निवासी बड़नगर से चिंतामन जवासिया में शादी हुई थी। वह पिंकी के घर पर रह रहा था। दिसंबर 2024 में वह दुर्घटना में घायल हुआ। ससुरालजनों ने उसका 20 दिन उपचार कराया फिर उज्जैन में मां के घर छोड़ दिया। मां ने उसे आरडी गार्डी अस्पताल में भर्ती कराया इस दौरान पिंकी 4-5 दिन उसके घर रुकी और मायके लौट गई। तभी से वह मायके में रह रही थी।

सुनील ने बताया कि पिंकी को उसकी मां, बहन व जीजा ने झूठी बातें में फंसाकर विशाल नामक व्यक्ति से 3 अप्रैल को दूसरी शादी करा दी। सुनील का कहना है कि दूसरी शादी की विवाह पत्रिका व फोटो उसके पास हैं। उसने कहा कि मेरे जीवित अवस्था में बिना तलाक लिए पिंकी दूसरी शादी कैसे कर सकती है? उसने नीलगंगा थाना पुलिस को आवेदन देकर दोषी व्यक्तियों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जंक फूड, स्ट्रीट फूड की सघन जांच एवं नमूने लिए गए

रतलाम, (ए)। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा नगर के विभिन्न स्थानों पर स्ट्रीट फूड वेंडर को स्वच्छ परिस्थितियों में गुणवत्तापूर्ण भोजन का निर्माण से संबंधित प्रावधानों की जानकारी प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा हैं।

बुधवार को उपाध्याय मार्केट राम मंदिर के सामने एवं 80 फीट रोड कॉर्नर पर खाद्य कारोबारकर्ताओं को जागरूक किया गया तथा बेसन, सोयाबीन तेल के दो सेम्पल लये गए। साफसफाई के निर्देश दिए एवं स्वच्छ कपड़े, ग्लव्स एप्रेन कैप, मोनो सोडियम, ग्लूटामेट, अजीनोमोटो, विनेगर, कृत्रिम रंग, कृत्रिम फ्लेवर का उपयोग सीमित मात्रा तथा निर्धारित सीमा के भीतर करे। समोसे, कचोरी, वडा तलने के लिए तेल का तीन बार से अधिक उपयोग न करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वच्छता, लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन संबंधी निर्देश दिए गए। उक्त कार्यवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रीति मंडोरिया एवं ज्योति बघेल द्वारा की गई।

मेरा ई-केवायसी एप की सुविधा प्रारम्भ

रतलाम, (आरएनएस)। जिले में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली व्यवस्था के सुचारु क्रियान्वयन एवं 1 मई 2025 से स्मार्ट पीडीएस व्यवस्था संचालन तथा वास्तवित पात्र हितग्राहियों की उनकी पात्रता अनुरुप खाद्यान्न सामग्री नियत समय सीमा में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी कराए जाने हेतु मात्र अप्रैल में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान अन्तर्गत मेरा ई-केवायसी एप की सुविधा प्रारम्भ की गई है।

जिला आपूर्ति अधिकारी आनन्द गोले ने बताया कि जिले में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजनान्तर्गत खाद्यान्न सामग्री प्राप्त करने हेतु वर्तमान में 1002191 हितग्राही सम्मिलित हैं। जिले में अभी तक 810541 हितग्राहियों की ई-केवायसी पूर्ण हो चुकी है। इस तरह अब तक 81 प्रतिशत हितग्राहियों की ई-केवायसी का कार्य पूर्ण हो चुका है। अभी भी 191650 हितग्राहियों की ई-केवायसी होना शेष है। ई-केवायसी का कार्य उचित मूल्य दुकान की पीओएस मशीन के माध्यम से उचित मूल्य दुकान के सम्बद्ध ग्राम पंचायत के ग्रामों, वार्डों एवं शहरी दुकान के वार्डों में उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, ग्राम पंचायत के सचिव, रोजगार सहायक, वार्ड प्रभारी द्वारा ई-केवायसी का कार्य कराया जा रहा है। ई-केवायसी के दौरान पीओएस मशीन में 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, वृद्धजन, कुष्ठ रोगी, मजदूर तथा अन्य हितग्राही जिनका बायोमैट्रिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है, ऐसे हितग्राहियों के साथ-साथ ऐसे हितग्राही जो अपने कार्य की व्यस्तता के कारण उचित मूल्य दुकानों, कैम्पों में उपस्थित नहीं हो सकते हैं, ऐसे सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी के लिए शासन द्वारा मेरा ई-केवायसी एप लांच किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधायक मुड़वारा श्री जायसवाल की माताजी के निधन पर जताया शोक

कटनी (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को यहां मुड़वारा विधायक श्री संदीप जायसवाल के कटनी स्थित आवास पहुंचकर, उनकी माताजी श्रीमती सरोज जायसवाल के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक व्यक्त किया। श्रीमती जायसवाल का 5 अप्रैल को लंबी बीमारी के बाद देहावसान हो गया था।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर सांत्वना दी और ढाँढस बंधाया। उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा दु:ख की इस घड़ी में शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने स्व. श्रीमती सरोज जायसवाल के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। विधायक बहोरीबंद श्री प्रणय प्रभात पांडेय,विधायक बड़वारा श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह, कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक श्री अभिजीत कुमार रंजन, डीएफओ श्री गौरव शर्मा और जिला पंचायत सीईओ श्री शिशिर गेमावत एवं जिला भाजपा अध्यक्ष श्री दीपक टंडन सोनी मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत सुभाषपुरा में 25 अप्रैल को होगा ग्राम न्यायालय का आयोजन

शिवपुरी,(आरएनएस)। जिले में ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम न्यायालय की बैठक आयोजित की जाएगी। यह ग्राम न्यायालय ग्राम पंचायत भवनों में लगाए जाएगें। इसी क्रम में 25 अप्रैल को ग्राम पंचायत सुरवाया में ग्राम न्यायालय का आयोजन किया जाएगा।न्यायाधिकारी जनपद पंचायत शिवपुरी जितेन्द्र मेहर ने बताया है कि ग्राम न्यायालय के लिए तिथियां निर्धारित की गई है। जिसके तहत 25 अप्रैल को ग्राम पंचायत सुभाषपुरा, 5 मई को ग्राम पंचायत सिरसौद, 19 मई को ग्राम पंचायत सतनवाड़ा, 09 जून को ग्राम पंचायत सुरवाया तथा 27 जून को ग्राम पंचायत सुभाषपुरा में ग्राम न्यायालय की बैठक होगी।

जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट का भ्रमण कार्यक्रम

रतलाम,,(आरएनएस)। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट 18 अप्रैल को एक दिवसीय दौरे पर रतलाम आ रहे हैं। प्राप्त भ्रमण कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री सिलावट 18 अप्रैल को दोपहर 2.00 बजे रतलाम आकर स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। तत्पश्चात इंदौर के लिए प्रस्थान करेंगे।

सफलता की कहानी : मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से उमा बनी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर

शिवपुरी,(ए)। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से कई महिलाओं को लाभ हुआ है। जिसमें वह अपने घर के छोटे-छोटे कामकाज के लिए इस राशि का उपयोग करती हैं। कई महिलाएं बच्चों की पढ़ाई के लिए उनकी स्कूल अथवा ट्यूशन फीस के लिए इस राशि का उपयोग कर रहीं हैं। कई लाभार्थी हितग्राही ऐसी भी हैं, जिन्होंने लाड़ली बहना योजना से मिली राशि को एकत्रित करके अपना काम शुरू किया है और उससे वह अपने परिवार की जीविका चला रही हैं। शिवपुरी शहर निवासी उमा परिहार की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। हर माह 1250 रूपये सीधे खाते में मिल जाते है, जिससे उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई का काम शुरू किया।

दतला नाला के बरहा घाट में श्रमदान से बना बोरी-बांध

कटनी (आरएनएस)। विकासखंड बड़वारा के ग्राम पंचायत भादावर के ग्राम मरईकाप में दतला नाला के बरहा घाट में ग्रामीणों के जनसहयोग और मानव जीवन विकास समिति की सहभागिता से जल गंगा संवर्धन अभियान को सफल बनाने बुधवार को बोरी-बंधान कार्य किया गया। मानव जीवन विकास समिति बिजौरी के सचिव निर्भय सिंह ने बताया कि इस मौके पर सरपंच सुनीता बाई गोंड, उपसरपंच पप्पू सिंह गोड़ एवं ग्राम के किसान भाइयों ने एवं मानव जीवन विकास समिति से रघुबीर का महत्व पूर्ण योगदान रहा।इस दौरान ग्रामीणों ने गीतों के माध्यम से लोगों को पानी को बहुमूल्य बताया एवं पानी को बचाने के लिए गीत के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया गया।

व्यापार समाचार

राजस्थान में छोटे व्यापारियों के लिए जियो साउंड पे ने आसान बनाया यूपीआई भुगतान

जयपुर(आरएनएस)। रिलायंस जियो के जियो भारत फोन का साउंड पे फीचर राजस्थान में छोटे व्यापारियों के लिए यूपीआई भुगतान को आसान और किफायती बना रहा है। जहां अन्य यूपीआई प्लेटफॉर्म 125 रुपए प्रति माह चार्ज करते हैं, वहीं जियो भारत फोन में यह सेवा बिना किसी अतिरिक्त शुल्क और डिवाइस के उपलब्ध है। इस सुविधा के जरिए व्यापारियों को रियल-टाइम ऑडियो पेमेंट अलर्ट मिलता है।

राजस्थान में लगभग 26.87 लाख एमएसएमई संचालित हैं, जिनमें थोक और खुदरा व्यापारी भी शामिल हैं। उनके लिए जियो भारत फोन एक किफायती डिजिटल लेनदेन उपकरण साबित हो रहा है। सिर्फ 699 रुपए की कीमत में मिलने वाला यह 4जी फोन सालाना 1500 रुपए की बचत कराता है। साथ ही, इसमें जियो पे, जियो सिनेमा, जियो सावन और 455 प्लस लाइव टीवी चैनल जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

अजमेर की ई-मित्र संचालक गायत्री तुनवाल ने बताया कि अब वह यूपीआई भुगतान की जानकारी के लिए एंड्रॉयड फोन की जगह जियो भारत फोन इस्तेमाल कर रही हैं। उनका फोन यूपीआई पेमेंट की सूचना खुद देता है, जिससे महंगे साउंड बॉक्स की जरूरत खत्म हो गई।

सवाई माधोपुर के मोबाइल दुकानदार दीपेश जैन ने बताया कि जहां अन्य प्लेटफॉर्म केवल भुगतान अलर्ट प्रदान करते हैं, वहीं जियो भारत फोन एक संपूर्ण डिजिटल पैकेज है, जो मनोरंजन और अन्य आवश्यक ऐप्स की सुविधा भी देता है। जयपुर के अचरोल क्षेत्र के बन्ना गुर्जर ने कहा, जियो भारत फोन पर स्विच करने से न केवल पैसे की बचत हुई है, बल्कि डिजिटल लेन-देन भी आसान हो गया है।

जियो भारत फोन की यह सुविधा छोटे व्यापारियों के लिए यूपीआई भुगतान को अधिक किफायती और सुविधाजनक बना रही है।

बढ़ते नुकसान और धीमी होती ग्रोथ से स्विगी के शेयर इस साल 38 प्रतिशत लुढ़के

मुंबई ,(आरएनएस)। फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी स्विगी के शेयर की कीमत में इस साल अब तक 38 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। स्टॉक के कमजोर प्रदर्शन की वजह नुकसान बढ़ना और अधिक प्रतिस्पर्धा के चलते मार्जिन पर दबाव बढ़ना है।

निफ्टी में दो प्रतिशत से अधिक की तेजी के मुकाबले स्विगी का शेयर मंगलवार को 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 334.5 रुपए पर सपाट बंद हुआ। यह दिखाता है कि शेयर को लेकर बाजार में सेंटीमेंट सकारात्मक नहीं है।बीते छह महीने में स्विगी के शेयर में 26.64 प्रतिशत की गिरावट हुई है। वहीं, बीते एक महीने में इसका शेयर 6.05 प्रतिशत कमजोर हुआ है।हालांकि, बीते पांच कारोबारी सत्रों में स्विगी के शेयर में 4.29 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, लेकिन व्यापक रुझान नकारात्मक बना हुआ है।

बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) ने स्विगी को डाउनग्रेड कर अंडरपरफॉर्म की रेटिंग दी है। साथ ही टारगेट प्राइस को 420 रुपए से घटाकर 325 रुपए कर दिया है।ब्रोकरेज फर्म ने फूड डिलीवरी सेगमेंट में धीमी वृद्धि और क्विक कॉमर्स सेक्टर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को प्रमुख जोखिम बताया।

बोफा ने कहा कि भारी छूट देने वाली नई कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अधिक मार्केटिंग के कारण निकट भविष्य में स्विगी के मुनाफे पर असर पड़ने की संभावना है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि इस बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा के कारण मार्केटिंग खर्च में इजाफा हो सकता है और प्लेटफॉर्म पर अधिक छूट ऑफर कर सकता है और उपभोक्ताओं के लिए डिलीवरी शुल्क में कमी आ सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि सबसे बड़ी चिंता यह है कि फूड डिलीवरी से होने वाला मुनाफा, जो कभी एक स्थिर स्रोत था, अब क्विक कॉमर्स में होने वाले घाटे को कवर करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। विश्लेषकों ने कहा कि क्विक कॉमर्स कारोबार का ब्रेकइवन तक पहुंचना अभी मुश्किल है।

सोना पहली बार 95 हजार पार, बना नया रिकॉर्ड

- चांदी में आई गिरावट

नई दिल्ली (ए)। देश में सोने की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। 16 अप्रैल को सोने ने नया इतिहास रच दिया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 628 रूपये बढ़कर 95,207 रूपये हो गई है। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले यह 94,579 रूपये थी। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है और यह 936 रूपये गिरकर 95,639 रूपये प्रति किलो पर पहुंच गई है।

सोने की तेजी के तीन बड़े कारण

अमेरिका-चीन टैरिफ वॉर-

वैश्विक व्यापार तनाव से मंदी की आशंका बढ़ी है, जिससे निवेशक सोने को सुरक्षित विकल्प मानकर इसमें निवेश कर रहे हैं।

रुपए की कमजोरी-

डॉलर के मुकाबले रुपया लगभग 4त्न कमजोर हुआ है, जिससे सोने का आयात महंगा हो गया है और कीमतें बढ़ गई हैं।

शादी का सीजन-

आगामी विवाह समारोहों के चलते सोने की गहनों की मांग बढ़ी है। ऊंची कीमतों के बावजूद लोग इसे समृद्धि और निवेश के रूप में खरीद रहे हैं।

सोने-चांदी की बढ़त

सोना-

1 जनवरी 2025 को 24 कैरेट सोना 76,162 रूपये प्रति 10 ग्राम था, जो अब 95,207 रूपये हो गया है। यानी अब तक 19,045 रूपये की बढ़त हुई है।

चांदी-

इस साल चांदी 86,017 रूपये प्रति किलो से बढ़कर 95,639 रूपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी है। यानी 9,622 रूपये की तेजी।

हालांकि, 28 मार्च को चांदी ने ?1,00,934 का ऑल टाइम हाई भी बनाया था।

साल के अंत तक 1.10 लाख रूपये तक जा सकता है सोना

गोल्डमैन सैक्स जैसी अंतरराष्ट्रीय निवेश बैंक का अनुमान है कि ट्रेड वॉर और मंदी की आशंका के बीच सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक जा सकता है। ऐसे में भारत में इसकी कीमत 10 ग्राम के लिए 1.10 लाख रूपये तक पहुंच सकती है।

कैरियर माइडिया इंडिया ने पैन-इंडिया स्टार रश्मिका मंदाना को माइडिया एचवीएसी का ब्राण्ड अम्बेसडर बनाया

पटना ,(आरएनएस)। भारतीय एयर कंडीशनिंग उद्योग में जाने-माने नाम कैरियर माइडिया इंडिया ने एचवीएसी कैटेगरी में अपने माइडिया ब्राण्ड के लिए अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को ब्राण्ड अम्बेसडर नियुक्त किया है। भारत में एयर कंडीशनिंग के प्रतिस्पर्धी बाज़ार में माइडिया एचवीएसी की स्थिति को मजबूत बनाना और मार्केटिंग के ज़रिए ब्राण्ड की पंहुच बढ़ाना इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य है।

यह साझेदारी ऐसे समय में की गई है जब बढ़ते शहरीकरण, बढ़ती डिस्पोज़ेबल आय और उर्जा दक्ष कूलिंग समाधानों पर बढ़ते फोकस के साथ भारत का एयर कंडीशनिंग सेगमेन्ट विकास के दौर से गुज़र रहा है। उम्मीद है कि अगले पांच सालों में यह सेक्टर अच्छी दर

से विकसित होगा, जिससे विश्वस्तरीय एवं स्वदेशी प्लेयर्स के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।इस साझेदारी पर बात करते हुए संजय महाजन, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, कैरियर माइडिया इंडिया ने कहा, ''भारत का एयर कंडीशनिंग उद्योग तेज़ी से विकसित हो रहा है और उपभोक्ता ऐसे ब्राण्ड्स की उम्मीद रखते हैं जो न सिर्फ उनके लिए शानदार प्रोडक्ट्स लेकर आएं बल्कि उनके साथ भावनात्मक संबंध भी बनाएं। माइडिया एयर कंडीशनर्स के साथ रश्मिका मंदाना की साझेदारी हमारी स्थिति को और मजबूत बनाएगी। इस साझेदारी पर उत्साह व्यक्त करते हुए रश्मिका मंदाना ने कहा, ''माइडिया एयर कंडीशनर्स के साथ जुड़ते हुए मुझे बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, एक ऐसा ब्राण्ड जो सही मायनों में आज के घरों में स्मार्ट एवं प्रभावी कूलिंग का महत्व समझता है। बढ़ते तापमान और उर्जा की बढ़ती चिंता के बीच माइडिया के एयर कंडीशनर्स अपने आधुनिक तकनीक वाले समाधानों के साथ नए बेंचमार्क स्थापित कर रहे हैं।

भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिकी झींगा पर डंपिंग का विरोध किया

नई दिल्ली (ए)। भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिका के झींगा पर डंपिंग रोधी और प्रतिपूरक शुल्कों की समीक्षा के खिलाफ विरोध जताया है। अगले महीने समीक्षा की आशंका जताते हुए, निर्यातकों ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। इन शुल्कों की गणना करने का अमेरिका का फार्मूला गलत बताया गया है। कोलकाता स्थित समुद्री खाद्य निर्यातक एवं मेगा मोडा के प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह शुल्कों की गणना में अंतरिक्ष है और इससे भारतीय व्यापारिक मामलों पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा ?कि अमेरिका का जीरोइंग पद्धति गलत है और भारत के साथ उचित व्यापारिक समझौते की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को संरक्षण देने की जरूरत है ताकि वह अमेरिका में इक्वाडोर और वियतनाम से आने वाली प्रतिस्पर्धा का सामना कर सके।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई (ए)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.39 पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी के प्रवाह तथा अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच रुपया लगातार चौथे कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ और शुरुआती कारोबार में 10 पैसे की बढ़त के साथ 85.54 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि शेयर बाजार में सुस्त धारणा और कच्चे तेल की कीमतों में मामूली सुधार से स्थानीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.48 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 85.54 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के परिधान निर्यात में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली(आरएनएस)। भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) के अनुसार, 31 मार्च, 2025 को समाप्त चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत के वस्त्र और परिधान निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 6.32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस वृद्धि के लिए परिधान क्षेत्र अहम रहा। एक विश्लेषण से पता चलता है कि वस्त्र और परिधान के निर्यात में यह वृद्धि मुख्य रूप से परिधान निर्यात के कारण हुई है, जिसमें चालू वित्त वर्ष के दौरान 10.03 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।सीआईटीआई के अध्यक्ष राकेश मेहरा ने कहा, ''वैश्विक चुनौतियों के बीच परिधान निर्यात में मजबूत प्रदर्शन और वस्त्रों में स्थिर वृद्धि भारतीय वस्त्र और परिधान उद्योग की मजबूती, अनुकूलनशीलता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता को उजागर करती है।''उन्होंने

इसका श्रेय 'नए व्यापार गठबंधन बनाने' की बढ़ती गति और सरकार द्वारा सहायक नीतिगत निर्णयों को दिया, जिससे निर्यातकों के बीच विश्वास पैदा करने में मदद मिली।मेहरा ने इस बात पर भी जोर दिया कि उद्योग इस वृद्धि को बनाए रखने को लेकर खासकर विकसित हो रहे वैश्विक व्यापार गतिशीलता को देखते हुए आशावादी बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार तनाव भारत के लिए खासकर कपड़ा और परिधान व्यापार में एक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करते हैं। अमेरिका द्वारा चीन से परे भारत एक विश्वसनीय और पसंदीदा भागीदार के रूप में उभरने की अच्छी स्थिति में है। हालांकि, इसके लिए सक्रिय कूटनीति और अधिक अनुकूल और स्थिर टैरिफ व्यवस्था को सुरक्षित करने के लिए एक ठोस प्रयास की जरूरत होगी।''इस वर्ष मार्च के दौरान, भारतीय कपड़ा निर्यात मार्च 2024 की तुलना में लगभग 5.81 प्रतिशत कम था, जबकि इसी अवधि के दौरान परिधान निर्यात में 3.97 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने बड़ा कदम

भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोलंबो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी-दिसानायके वार्ता में 10 से ज्यादा ठोस परिणाम निकले और सबसे महत्त्वपूर्ण तो यह कि दोनों देश सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग को राजी हुए हैं। बेशक, यह फैसला दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसलिए भी कि यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना के हस्तक्षेप के करीब 35 साल बाद हुआ है। भारत के लिए मोदी का श्रीलंका दौरा इसलिए भी सफल कहा जा सकता है कि दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को आासन दिया है कि श्रीलंका अपने भूभाग का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल कदमों के लिए नहीं होने देगा।

जब-जब पड़ोसी चीन श्रीलंका के साथ दोस्ताना होता है, तब-तब भारत की पेशानी पर चिंता की लकीरें उभरने लगती हैं। लेकिन अब श्रीलंका से स्पष्ट आासन मिलने से भारत को बड़ी राहत का अहसास हुआ है। दरअसल, दोनों पड़ोसी देशों बीच ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और आत्मीयता से भरे संबंध रहे हैं, दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत है, दोनों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है, और दोनों परस्पर निर्भर कहे जा सकते हैं। दिसानायके इस बात से वाकिफ हैं। संभवत: यही कारण रहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। मोदी को भी उन्होंने अपना पहला विदेशी मेहमान बनाया और उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान 'मित्र विभूषण' से भी नवाजा। भारत भी श्रीलंका की मित्रता को खासा तवज्जो देता है, और इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का यह चौथा श्रीलंका दौरा था। चाहे 2019 का आतंकवादी हमला हो, कोविड महामारी हो या हाल में आया आर्थिक संकट हो, हर कठिन परिस्थिति में भारत ने श्रीलंका की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। श्रीलंका हमारी 'पड़ोसी पहले' नीति और 'महासागर' दृष्टिकोण से भी हमारे लिए विशेष स्थान रखता है। अलबत्ता, श्रीलंका में तमिलों की आकांक्षाओं और भारतीय मछुआरों के श्रीलंका के जल क्षेत्र में पकड़े जाने जैसे विवादास्पद मुद्दे हैं। उम्मीद है कि इन मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने में भी दोनों पड़ोसी देश सफल होंगे।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) की 21वीं शासी निकाय और 16वीं आम सभा की बैठक की अध्यक्षता की.

(टैरिफ-महासंग्राम.)

चीन अमेरिका टैरिफ वार में अमन सामने

भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार

संजीव ठाकुर, लेखक, चिंतक, स्तंभकार,

डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद 100 दिनों में डोनाल्ड ट्रंप की सनक ही सामने आती दिखाई दी है। मूलत: बड़े व्यवसाय से जुड़े व्यापारी से राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका की अर्थव्यवस्था को सुधारने में पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था को डाँवाडोल कर चुके हैं। यह भी बताया जाता है कि उनके व्यावसायिक सलाहकार टेस्ला के मालिक एलन मस्क को उनकी इस व्यापारिक नीति पर अरबों का नुकसान हुआ है जिसके चलते एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप में गहरे व्यावसायिक मतभेद उभर आए हैं। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडेन ने चुनाव के लगभग 100 दिन बाद अपनी आधिकारिक सभा में कहा की डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने 100 दिनों से कम समय में ही आश्चर्यजनक रूप से भारी नुकसान तथा विनाश किया है पूर्व राष्ट्रपति ने दावा किया की ट्रंप ने सामाजिक सुरक्षा प्रशासन के विरुद्ध द्वेषपूर्ण बर्ताव कर लगभग 7000 कर्मचारियों की छटनी करके अमेरिका को एक झटका दिया है उन्होंने कहा की कई अमेरिकी भोजन के लिए सामाजिक सुरक्षा पर भरोसा करते हैं और इसमें यह कटौती लाखों लोगों के लिए विनाशकारी होगी, उन्होंने आगे कहा की अमेरिकी प्रशासन ने पूरे विश्व में टैरिफ युद्ध लाकर आर्थिक अस्थिरता पैदा कर दी है। अमेरिका ने पहले चीन पर भारी 145 प्रतिशत टैरिफ लगाया था जवाब में चीन ने 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर अमेरिका ने फिर जवाबी कार्रवाई कर 245 प्रतिशत टैरिफ चीन पर ठोक दिया है ट्रम्प प्रशासन के प्रवक्ता के अनुसार चीन ने बहुत सारे रेयर अर्थ पदार्थ पर अमेरिका भेजने पर प्रतिबंध लगा दिया था इन सब रेयर अर्थ पदार्थ पर अमेरिका की आत्मनिर्भरता खत्म हो गई थी जिसमें उल्लेखनीय है कि गैलियम,जर्मेनियम, एंटीमनी जैसे कुछ तकनीक के निर्यात पर चीन ने प्रतिबंध लगाकर अमेरिका को मजबूर कर दिया था

अमेरिका के व्हाइट हाउस के प्रवक्ता ने दावा किया है कि इस तरह के निर्यात को प्रतिबंधित करने में चीन की मंशा दुनिया के ऑटो मार्क्स एयरोस्पेस निर्माता, सेमीकंडक्टर कंपनियों एवं अन्य सैन्य ठेकेदार को महत्वपूर्ण सामग्री पूर्ति करने से रोकने के लिए की गई है। पहले अमेरिका का चीन सामरिक दुश्मन नंबर एक था ताइवान के मामले में अमेरिका और चीन एक दूसरे के आमने-सामने डटकर खड़े हुए थे पर कुछ कूटनीतिक तकनीकी के कारण अमेरिका ताइवान चीन के दावे पर सीधा हस्तक्षेप नहीं कर रहा था किंतु अब वैश्विक आर्थिक महायुद्ध में चीन पर 245 प्रतिशत टैरिफ लगाकर यह युद्ध अब सीधे-सीधे अमेरिका तथा चीन के मध्य केंद्रित हो गया है।

चीन ने अमेरिकी हस्तक्षेप के जवाब में नहले पर दहला मारकर पिछले हफ्ते ऑटो मार्क्स के लिए सेंट्रल कमांड के लिए 6 दुर्लभ धातुओं के साथ बड़ी चुंबकों के निर्यात पर भी रोक लगा दिया माना जाता है कि यह दुनिया भर के एयरोस्पेस निर्माता सेमीकंडक्टर कंपनियां एवं अन्य सैया सामग्रियों के इस्तेमाल करने वाली कंपनियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। यह संसाधित खनिज अमेरिका रक्षा उद्योग के लिए अत्यंत अहम है जिसमें जेट इंजन मिसाइल मार्गदर्शन प्रणाली, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर तथा अल्ट्रा एडवांस रडार सिस्टम जैसे एपरेटस के निर्माण में इनका अनुप्रयोग किया जाता है और महत्वपूर्ण बात यह है इन सब की आपूर्ति रुक जाने से ट्रंप प्रशासन तिलमिलाकर चीन से कुपित हो गया है। ट्रम्प प्रशासन के प्रवक्ता के अनुसार लगभग 75 देश पहले से ही नए व्यापार समझौते पर गहन चर्चा हेतु चीन के अलावा सहमत हो चुके हैं इन पर लगे व्यापारिक अतिरिक्त शुल्क को फिलहाल 90 दिनों के लिए रोक दिया गया है। ट्रम्प प्रशासन के अनुसार चीन बोइंग विमान के सौदे से साफ-साफ मुकर गया है और अमेरिका ने अपने वैधानिक अधिकारों और हितों तथा अंतरराष्ट्रीय न्याय की रक्षा हेतु जवाबी कदम उठाते हुए 245 प्रतिशत टैरिफ चीन पर लगा दिए हैं जिसे उन्होंने उचित और संवैधानिक बताया है। यह तो तय है कि 245 प्रतिशत टैरिफ से भविष्य में चीन को भारी नुकसान होने वाला और इससे उसकी अर्थव्यवस्था पूरी तरह डगमगा जाएगी। दूसरी तरफ चीन की प्रवक्ता एजेंसी रेडियो फ्री एशिया के अनुसार अमेरिका ने चीन को एनवीडीया के h20 चिप्स का निर्यात रोक दिया है इसे अंतरराष्ट्रीय जगत में चीन पर दबाव बनाने हेतु उठाया गया कदम बताया जाता है। अब इस चिप्स को लेने के लिए चीन को अमेरिका की सरकारी मंजूरी लेनी होगी और यह प्रतिबंध आगे आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। दूसरी तरफ निरंतर मजबूत सार्वजनिक खर्च और आसान मौद्रिक नीति के कारण भारत की अर्थव्यवस्था में 2025 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हो सकती है जो की 2024 की सिक्स पॉइंट नाइन प्रतिशत की वृद्धि से थोड़ा कम है किंतु भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में रहेगी। संयुक्त राष्ट्र संघ की रिपोर्ट में कहा गया कि बढ़ते व्यावसायिक तनाव और निरंतर और निश्चिंत्यता के कारण पूरा विश्व अर्थव्यवस्था मंदी के रास्ते पर है जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था नीचे गिर सकती है और टैरिफ युद्ध से पूरा वैश्विक बाजार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। टैरिफ युद्ध के चलते एवं वैश्विक आर्थिक अवस्था के कारण भारत में सोना एक नए रिकॉर्ड की ऊंचाई पर पहुंच गया है अमेरिका चीन व्यावसायिक युद्ध के कारण सोने में रिकॉर्ड तेजी हुई है। यह तो तय है कि भारत तेजी से उभरती हुई आर्थिक अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है किंतु चीन अमेरिका टैरिफ युद्ध पूरे विश्व के लिए आर्थिक मंदी लाने वाला होगा जिसके परिणाम सबसे ज्यादा विकासशील देशों को भुगतना पड़ेगा।

वेव्स बाज़ार: मीडिया और मनोरंजन के वैश्विक मंच पर भारत का निर्णायक लगान क्षण

आमिर खान

भारत मनोरंजन और मीडिया उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, यह तेजी से बढ़ रहा है और लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में फल-फूल रहा है। हम इंटरनेट कनेक्शन पर ऑडियो और वीडियो फ़ाइलों को निरंतर प्रसारित करने की सेवाओं, क्षेत्रीय भाषा निर्माणों और तकनीक-प्रेमी दर्शकों के उदय से प्रेरित विविध प्लेटफार्मों पर सामग्री निर्माण में उछाल देख रहे हैं, जो ताजा, आकर्षक और समावेशी कथाओं की मांग करते हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि इस क्षेत्र में भारत के लिए अपार संभावनाएं हैं, न केवल मनोरंजन के स्रोत के रूप में बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, आर्थिक विकास और वैश्विक प्रभाव के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में।

विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन, जिसे संक्षिप्त शब्द वेव्स के नाम से जाना जाता है, 1 से 4 मई, 2025 तक मुंबई, महाराष्ट्र में भारत सरकार द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो भारत के बढ़ते सम्मान और उसकी बढ़ती पहचान का गवाह होगा और वेव्स बाज़ार इस आयोजन का एक प्रमुख भाग है। उद्योग में दशकों बिताने वाले व्यक्ति के रूप में, मेरा मानना है कि कहानी सुनाने में एकजुट होने, प्रेरित करने और बदलने की ताकत है। वेव्स और वेव्स बाज़ार के साथ, हम वैश्विक मनोरंजन समुदाय के लिए अधिक सहयोगी और समावेशी भविष्य बनाने की दिशा में एक साहसिक कदम उठा रहे हैं।

वेव्स बाज़ार वैश्विक मनोरंजन इकोसिस्टम में पेशेवरों, व्यवसायों और रचनाकारों को जोड़ने के लिए तैयार किया गया एक क्रांतिकारी ऑनलाइन बाज़ार बनने का प्रयास है। सहजता से और मिलजुलकर काम करने को बढ़ावा देने के अपने मिशन के साथ, वेव्स बाज़ार मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए अंतिम व्यावसायिक केन्द्र के रूप में काम करने का प्रयास करता है, जिससे पेशेवरों को अपनी पहुँच का विस्तार करने, नए अवसरों की खोज करने और उच्च-मूल्य वाली साझेदारियों में शामिल होने में मदद मिलती है। 27 जनवरी, 2025 को केन्द्रीय सूचना और प्रसारण, रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आधिकारिक रूप से शुरू किया गया, वेव्स बाज़ार मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में वेव्स शिखर सम्मेलन को एक प्रमुख कार्यक्रम में बदलने के माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने में एक महत्वपूर्ण साधन है, जो वित्त और अर्थव्यवस्था क्षेत्रों के लिए दावोस शिखर सम्मेलन जैसा है। मेरा मानना है कि शुरूआत के बाद से, एमऔरई सेक्टर के विभिन्न क्षेत्रों से 5500 खरीदार, 2000 से ज़्यादा विक्रेता और लगभग 1000 प्रोजेक्ट पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। लंबे समय में, पोर्टल को एमऔरई उद्योग के लिए एक व्यापक कंटेंट मार्केटप्लेस और नेटवर्किंग हब के रूप में विकसित होने की उम्मीद है, जिसमें एआई-संचालित प्रोफाइलिंग और मैचमेकिंग टूल शामिल हैं। यह प्लेटफ़ॉर्म के भीतर ऑनलाइन पिचिंग सेशन, वर्चुअल बी2बी मीटिंग, वेबिनार और बहुत कुछ की मेजबानी करेगा।वेव्स बाज़ार एक अनूठा ई-मार्केटप्लेस है जो मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र के हितधारकों को एक साथ लाता है - जिसमें फ़िल्म, टेलीविज़न, एनीमेशन, गेमिंग, विज्ञापन, एक्सआर, संगीत, साउंड डिज़ाइन, रेडियो और बहुत कुछ शामिल है।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज जो भी काम शुरू करेंगे वो समय पर पूरा हो जायेगा। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नए व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आपके भविष्य में बेहद काम आयेंगी। आप अपने बिजी दिन में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे, जिसमें उनके साथ खूब एंजॉय करते हुए नजर आएंगे, इससे आपको तरोताजा महसूस होगा। आज आपका दांपत्य जीवन शानदार रहने वाला है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज पास की किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्ते के बारे में विचार करेंगे। परिवार से जुड़ी किसी समस्या का समाधान मिलेगा। कार्यों को पूरा करने में आप नए सिरे से कोशिश करेंगे तो सफल होंगे। आज दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर आप सेंसिटिव हो सकते हैं। आज काम में मन लगेगा।

मिथुन राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। अत्यधिक व्यस्तता के कारण घर पर तो समय व्यतीत नहीं कर पाएंगे, परंतु अपने बहुत से महत्वपूर्ण काम निपटाने में सफल होंगे। आज किसी भी प्रकार का लेनदेन करते समय सावधानी बरतें। आज बिजनेस में महत्वपूर्ण फैसला लेने से पहले किसी अनुभवी की सलाह लें।

कर्क राशि : आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज कुछ प्रभावशाली लोगों के साथ आपके दोस्ताना रिश्ते मजबूत होंगे। मेहनत के अनुरूप आपको उचित परिणाम हासिल होंगे। भावनाओं में आकर निर्णय लेने से बचे, ऐसा करने से आपको निश्चित ही सफलता मिलेगी। आज ऑफिस के कार्य समय से पूरा करने में सफल होंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना बेहतर साबित होगा। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं। आज कार्यस्थल पर दूसरे लोगों से वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है, आपको किसी से भी बिना वजह उलझने से बचना चाहिए। परिवार वालों के साथ आज आप किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बनाएंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियाँ लेकर आया है। आज भाइयों के साथ रिश्ते में मधुरता आएगी। पिछले कुछ समय से चल रही परेशानियों से आज आपको राहत मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी। माता-पिता के साथ किसी धार्मिक कार्य की योजना बनाएंगे। आज आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे। आज आपका व्यापार रोज की अपेक्षा अच्छा चलेगा।

मकर राशि : आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। हर कोई आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी मुलाकात हो सकती है। आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिये नया खेल तलाश करेंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आप अपने भविष्य को बेहतर बनाने का प्लान बनाएंगे। परिवार के सदस्यों के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। आज आप पारिवारिक रिश्ते को महत्व देंगे। अविवाहित लोगों को विवाह का प्रस्ताव मिलेगा। माता-पिता से दूर कहीं रहते हैं, तो पैतृक निवास की यात्रा हो सकती है।

मीन राशि : आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज कारोबार में चुनौतियां रहेंगी। बाहरी लोगों का दखल हो सकता है। बेहतर होगा सब कम अपनी देखरेख में ही करवाएं। आज आप कुछ समय धार्मिक स्थान पर बिताएंगे। आपके काम सुचारु रूप से संपन्न होते जाएंगे। घर पर कोई मांगलिक आयोजन कराने के बारे में सोच सकते हैं, जिससे घर में खुशहाली आयेगी। आज अचानक धन लाभ होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। कुल मिलाकर आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है।

द रिपब्लिक ऑफ स्टोरीटेलिंग : इस क्षेत्र में अगली सफलता भारत के पूर्व से क्यों आनी चाहिए

फिरदौसुल हसन

हम उस दौर से गुजर रहे हैं, जहाँ एक शांत क्रांति जारी है। यह उस तरह का नहीं है जो सुर्खियों में रहे या सोशल मीडिया पर छा जाए - बल्कि यह उस तरह का है जो सतह के नीचे गूंजता रहे। यह सब साधारण संपादन कक्षों में हो रहा है, उधार लिए गए लैपटॉप द्वारा संचालित एक्सआर लैब्स में, शयनकक्षों में जहां सिलचर का एक 22 वर्षीय युवक अपनी दादी की युद्ध की यादों के बारे में एक कहानी को एनिमेट करता है। यह उन गाँवों में हो रहा है जहाँ बच्चे अपने स्मार्टफोन पर बांग्ला जासूसी श्रृंखला का आनंद लेते हैं और उन स्टूडियो में भी जहां तमिल स्क्रिप्ट को एआई द्वारा 17 भारतीय भाषाओं में डब किया जा रहा है। इस समय भारत अब कला और संहिता के चौराहे पर है और एक बार फिर सड़क का यह दोराहा घर की ओर ले जाता है। एक सॉफ्ट पावर जो प्रस्फुटित होने के इंतजार में बहुत लंबे समय तक, भारतीय सिनेमा को या तो बॉलीवुड के बॉक्स ऑफिस या इसके अंतर्राष्ट्रीय समारोहों की स्वीकृति से मापा जाता था। यह एक संकीर्ण दृष्टिकोण था। हम जिस चीज से चूक गए, वह थी शांत शक्ति जो बीच में निहित थी: लोक यथार्थवाद, आदिवासी मिथक, इंडी एनीमेशन, जमीनी स्तर पर गेमिंग - ऐसे रूप जो 90 के दशक में विपणन योग्य नहीं थे, लेकिन आज उपार्जन के योग्य हैं। वर्तमान सरकार को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए कि उसने इस बड़े बदलाव को जल्दी महसूस किया और इस पर स्पष्टता और मजबूत इरादे के साथ इस पर काम किया है। वेव्स 2025, क्रिएट इन इंडिया चैलेंज और वेवएक्ससेलेटर जैसी पहलें केवल नीति-स्तर के संकेत नहीं हैं। ये घोषणाएँ हैं कि भारत की रचनात्मक पूंजी अब एक राष्ट्रीय संपत्ति है और किस्से-कहानीयों को सुनाना अब संस्कृति का एक सजावटी उप-उत्पाद नहीं है, बल्कि कूटनीति, नवाचार और अर्थव्यवस्था का एक इंजन है। क्योंकि कहानी सुनाना अब केवल भावनात्मक मुद्रा नहीं है- यह आर्थिक पूंजी बन गया है। अकेले एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र के 2025 तक 45,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो सालाना लगभग 17 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। ओटीटी सामग्री की खपत में साल-दर-साल 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें क्षेत्रीय कंटेंट अब कुल दर्शकों का 55 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बना रहा है (फिक्की-ईवाई 2024)। यह कोई एक प्रवृत्ति नहीं है। यह एक नई सामग्री अर्थव्यवस्था आकार ले रही है और इस बार, यह बहुभाषी और बहु-भौगोलिक मिथक से बाज़ार तक: पूर्व जागृत हो राजा है आइए अब स्पष्ट रूप से बात करें। यदि भारत वास्तव में दुनिया की कंटेंट राजधानी बनना चाहता है, तो वह केवल मुंबई-दिल्ली केंद्रित नहीं रह सकता। वैश्विक किस्से-कहानीयों को कहने की अगली सफलता पूर्व और उत्तर-पूर्व से आनी चाहिए - उन भूमियों से जिन्होंने लंबे समय से भारत को उसकी सबसे मौलिक साहित्यिक, संगीतमय और दार्शनिक आवाजें दी हैं। ये क्षेत्र अविकसित नहीं हैं। बल्कि वे कम जुड़े हैं। उनके पास कहानियों की कमी नहीं है। वह मौलिकता से भरे हैं - आओ और खासी के मौखिक रहस्यवाद से लेकर बांग्ला सिनेमा के गीतात्मक यथार्थवाद तक, संथाल महाकाव्यों से लेकर बोडो विज्ञान-कथा रूपकों तक।ऐतिहासिक रूप से उनके पास संरचनात्मक बाजारों, किफायती उपकरणों, वितरण और सही प्लेटफार्मों तक पहुंच की कमी रही है। शुक्र है कि यह बदलने लगा है।आज, कोलकाता इस अप्रयुक्त प्रतिभा के गलियारे के लिए एक रणनीतिक प्रवेशद्वार के रूप में उभर रहा है। प्रोडक्शन के लिए तैयार स्टूडियो, प्रशिक्षित तकनीशियनों की प्रचुरता, विश्व स्तरीय पोस्ट सुविधाएं और प्रयोग के साथ विरासत को मिलाने वाली बौद्धिक संस्कृति के साथ, बंगाल भारत का अगला विशाल कंटेंट केंद्र बनने के लिए तैयार है। इसके अलावा असम, त्रिपुरा, सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश से इसकी निकटता को भी जोड़ लें, तो हम एक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक रचनात्मक इकोसिस्टम को देख रहे हैं, जो सक्रिय होने की प्रतीक्षा कर रहा है। स्थानीय लोग आश्चर्यजनक। लागतें प्रबंधनीय। करू सदस्य बेहतर प्रदर्शन के लिए अति उत्साही। बुनियादी ढांचा तेजी से वृद्धि। कहानी कहने से लेकर कहानी-वास्तुकला तक डिजिटल युग में, कहानियां द एंड पर नहीं रुकती हैं। वे नए प्रारूपों में शामिल होते हैं - मीम्स, गेम्स, एनिमेटेड स्पिन-ऑफ्स, इमर्सिव प्रदर्शन, एआर अनुभव। कंटेंट अब एक ही तरह का नहीं है - यह लगातार चलने वाला, संवादात्मक, गतिशील है।

और भारत, तकनीकी प्रवाह और कलात्मक शैली के अपने दुर्लभ मेल के साथ, इस युग के लिए विशिष्ट रूप से सुसज्जित है। हमारा देश ऐसे कवियों का देश हैं जो कोड लिखते हैं। हमारे फिल्म निर्माता पद्य और वाक्य रचना में सोचते हैं। हमारे एनिमेटर रूपक से एल्गोरिदम का निर्माण करते हैं। जब एक मणिपुरी एक्सआर कलाकार जनजातीय स्मृति का एक वॉक-थ्रू संग्रहालय बनाता है, या जब एक बांग्ला एआई स्टार्टअप ग्रामीण लेखकों की स्क्रिप्ट को मोशन कॉमिक्स में बदलने में मदद करता है, तो यह सहायता नहीं है-यह सिनेमा का एक नया व्याकरण है.. और यह अभी लिखा जा रहा है। रचनात्मक वर्ग पर सरकार का शांत दांव हाल की स्मृति में पहली बार भारत सरकार न केवल वाणिज्य या बुनियादी ढांचे पर, बल्कि राष्ट्रीय क्षमता के रूप में रचनात्मकता पर बड़ा दांव लगा रही है।अनुदान, स्टार्टअप प्रोत्साहन, सह-निर्माण प्लेटफार्मों और वेव्स जैसे आयोजनों के माध्यम से अब सबको सपने देखने का अधिकार दिया जा रहा है। यह बताया जा रहा है: नेटफ्लिक्स पर फिल्म बनाने के लिए आपको फिल्म पारिवारिक विरासत से होने की आवश्यकता नहीं है। आप जोरहाट या जलपाईगुड़ी से भी हो सकते हैं। आपको अब जुहू के गलियारों में भटकने की जरूरत नहीं है। आपको एक कहानी की जरूरत है - और एक ऐसे ढांचे की जो उसे आगे बढ़ाने में मददगार हो। और यहाँ एक विनयपूर्ण सुझाव है: जिस तरह इस सरकार ने कूटनीति और प्रौद्योगिकी में भारत को एक सॉफ्ट पावर महाशक्ति के रूप में पुन: स्थापित किया है, अब एक कदम और आगे जाकर - इन शिखर सम्मेलनों को महानगरों से आगे ले जाना चाहिए। अगली बार वेव्स का आयोजन कोलकाता में हो। अगली एनीमेशन लैब की मेजबानी गुवाहाटी में हो। अगरतला में भारत का पहला आदिवासी कहानी बाजार शुरू किया जाए।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शुक्रवार 18 अप्रैल 2025,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

चीन को तैयारियां करने में लगेगा समय, इस साल देर से शुरु हो सकती है कैलाश मानसरोवर यात्रा

नई दिल्ली (ए)। भारत और चीन के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक यह कदम वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 4 साल से अधिक समय तक चले तनाव के बाद दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह मानसरोवर यात्रा 2020 से बंद थी। अब जल्द ही यात्रा के शुरू होने की संभावना है। इससे लाखों श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक कैलाश मानसरोवर यात्रा चीन के तिब्बत क्षेत्र में स्थित पवित्र कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक होती है। यह यात्रा हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह यात्रा 2020 में कोरोना महामारी के कारण रुकी थी और बाद में एलएसी पर भारत-चीन के बीच तनाव के चलते शुरु नहीं हो सकी। लेकिन अब दोनों देश यात्रा को फिर से शुरू करने के लिए गंभीरता से बात कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि बीते साल अक्टूबर में डेमचोक और देपसांग में सैनिकों की वापसी पर सहमति के बाद दोनों देशों ने भरोसे को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। बीते साल रूस के कजान शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद दोनों देशों ने सीमा विवाद और रिश्तों को बेहतर करने के लिए कई तंत्रों को फिर से शुरू करने का फैसला किया। हालांकि, इस साल यात्रा सामान्य समय से थोड़ा देर से शुरू हो सकती है और देर तक चल सकती है। बताया जा रहा हैं कि चीनी पक्ष को यात्रा के लिए सुविधाओं को तैयार करने के लिए थोड़ा समय चाहिए, क्योंकि ये सुविधाएं बीते पांच साल से उपयोग में नहीं थीं। जल्द ही यात्रा के शुरू होने की आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। भारतीय अधिकारियों ने मामले पर अभी कोई बयान नहीं दिया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा जून से सितंबर के बीच किया जाता है। यह यात्रा उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथु ला दर्रे से होती है। यह यात्रा बेहद कठिन है, क्योंकि श्रद्धालुओं को 19,500 फीट की ऊंचाई पर कठिन मौसम और उबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरना होता है। फिर भी, हर साल हजारों श्रद्धालु इस पवित्र यात्रा के लिए तैयार रहते हैं।

महत्वपूर्ण पेयजल योजनाओं को समय से करें पूरा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मी के मौसम में पेयजल प्रबंधन एवं समर कंटीन्जेंसी प्लान को लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्ययोजना के तहत आमजन को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला कलक्टर्स की अनुशंषा पर जिलों में पेयजल से संबंधित आकस्मिक कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पीएचईडी अधिकारियों को फील्ड में रहकर जलापूर्ति की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नवीन नलकूप एवं हैण्डपंप लगाए जाएं।

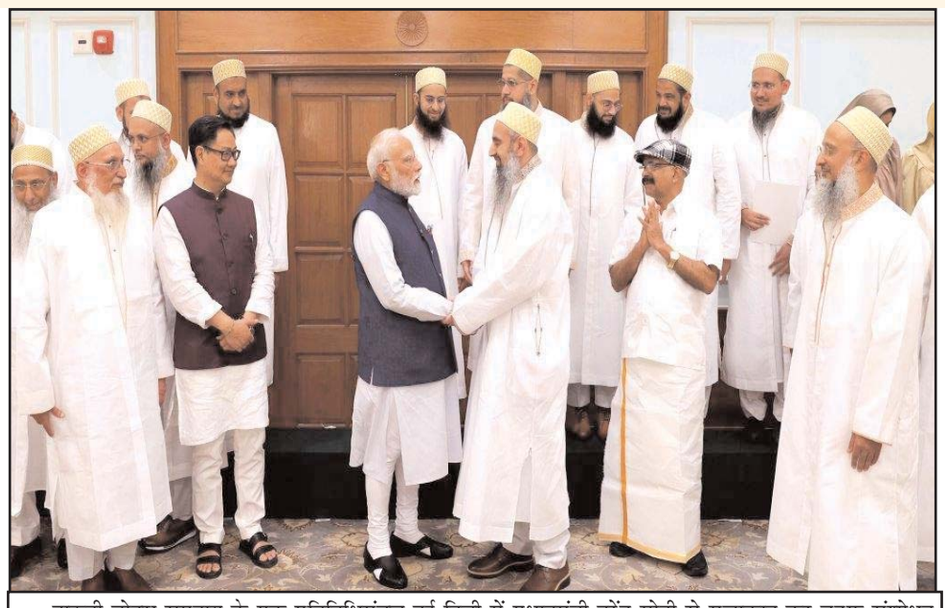

दाऊदी बोहरा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर वक्फ संशोधन अधिनियम के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए, जबकि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू मौजूद हैं।

राजस्थान के राजसमंद में बारातियों से भरी बस और ट्रक की टक्कर, 37 घायल, 5 की हालत गंभीर

राजसमंद (आरएनएस)। राजस्थान के राजसमंद जिले के देलवाड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मजेरा गांव के पास नेशनल हाईवे पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में 37 लोग घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि हादसे में एक निजी ट्रैवल्स की बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें बस में सवार 37 लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला और एक वृद्ध सहित पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बस बारातियों को लेकर उदयपुर की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक तेज़ रफ्तार ट्रक ने बस को ज़ोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन एक-दूसरे में बुरी तरह फंस गए। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक चालक के सामने अचानक एक कार आ जाने से उसने ट्रक को दाहिनी ओर मोड़ा और तभी सामने से आ रही बस से आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को नई दिल्ली में रक्षा सम्मेलन में स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

रंगदारी मामले में लालू के करीबी विधायक रीतलाल यादव और भाई ने कोर्ट में किया सरेंडर, भेजे गए जेल

पटना ,(आरएनएस)। लालू प्रसाद यादव के करीबी और दानापुर से आरजेडी विधायक रीतलाल यादव ने अपने छोटे भाई और तीन अन्य आरोपियों के साथ पटना की दानापुर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। सभी को कोर्ट में पेशी के बाद बेऊर जेल भेज दिया गया। इन पर एक बिल्डर से रंगदारी मांगने, धमकी देने और फर्जी दस्तावेज तैयार करने जैसे गंभीर आरोप हैं।

विधायक रीतलाल यादव के वकील ने अदालत में कहा कि यह पूरा मामला राजनीति से प्रेरित और झूठा है। उन्होंने दावा किया कि बिल्डर ने जानबूझकर फर्जी केस दर्ज करवाया, और पुलिस की कार्रवाई की जानकारी मिलते ही यादव व उनके सहयोगियों ने स्वेच्छा से आत्मसमर्पण कर दिया। अभी तक किसी ने जमानत याचिका दाखिल नहीं की है, लेकिन जल्द ही ऐसा किया जाएगा। 11 अप्रैल को पुलिस ने इस मामले से जुड़े 11 ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापों के दौरान 10.5 लाख रुपये नकद, 77.5 लाख के खाली चेक, जमीन हड़पने से संबंधित 14 दस्तावेज, 17 चेकबुक, पांच स्टांप पेपर, छह पेन ड्राइव और वॉकी-टॉकी समेत कई अहम साक्ष्य बरामद किए गए।

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती : पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, बोले आपके लिए देशहित रहा सर्वोपरि

लखनऊ, (आरएनएस)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चंद्रशेखर की जयंती के अवसर पर लोग उन्हें याद कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

इन नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए चंद्रशेखर जी के राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समानता और जन कल्याण के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने अपनी राजनीति में देशहित को हमेशा सर्वोपरि रखा। सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के उनके प्रयासों को हमेशा याद किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, शोषितों एवं वंचितों के प्रखर स्वर, लोकप्रिय राजनेता एवं राष्ट्रवादी चिंतक, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! राष्ट्र निर्माण, सामाजिक न्याय और जन कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हम सभी के लिए पाथेय है।

वहीं, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर लिखा, प्रखर वक्ता, लोकप्रिय जननेता तथा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चंद्रशेखर जी की जयंती पर शत-शत नमन।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर लिखा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की जयंती पर कोटिश: नमन। आप जीवन पर्यंत सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर रहे। पिछड़े और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित आपका जीवन हम सभी के लिए अनुकरणीय है।

चंद्रशेखर जी के बेटे नीरज शेखर ने अपने पिता को याद करते हुए एक्स पर लिखा, दृढ़ संकल्प, अपार साहस और अटल ईमानदारी के प्रतीक, पूज्यनीय पिता श्री, पूर्व प्रधानमंत्री आदरणीय चंद्रशेखर जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। आपकी विचारधारा, कर्मठता और निस्वार्थ सेवाभाव आज भी हम सभी को प्रेरणा देते हैं। राष्ट्र निर्माण की राह में आपका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। समाजवादी पार्टी ने भी चंद्रशेखर जी को याद किया।

अब दिल्ली में लाउडस्पीकर चलाना आसान नहीं, बिना पुलिस परमिशन चलाने पर लगेगा जुर्माना; जानें क्या हैं नई गाईडलाइन

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में अब यूपी की तरह लाउडस्पीकर पर सख्ती लागू हो गई है। दिल्ली पुलिस ने आदेश जारी कर साफ कर दिया है कि किसी भी सार्वजनिक या धार्मिक कार्यक्रम में बिना लिखित अनुमति लाउडस्पीकर या साउंड सिस्टम का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। नियम तोड़ने पर 10,000 जुर्माना और उपकरण जब्त किए जाएंगे।

ध्वनि की सीमा अलग-अलग क्षेत्रों के हिसाब से तय की गई है। औद्योगिक क्षेत्र में दिन में अधिकतम 75 डेसिबल और रात में 70 डेसिबल की सीमा तय की गई है। रिहायशी क्षेत्रों में दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल से अधिक शोर की अनुमति नहीं है। साइलेंस जोन में यह सीमा क्रमश: 50 और 40 डेसिबल तय की गई है। दिल्ली पुलिस ने टेंट हाउस और लाउडस्पीकर सप्लायर्स को भी चेताया है कि बिना पुलिस परमिशन किसी को भी उपकरण न दें। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। डीजी सेट पर भी क्षमता के अनुसार जुर्माना तय किया गया है। 1000 KVA से अधिक पर 1 लाख, 62.5 से 1000 KVA तक पर 25,000 और 62.5 KVA तक के DG सेट पर 10,000 जुर्माना लगेगा। निर्माण कार्यों में तेज आवाज वाले उपकरणों के इस्तेमाल पर 50,000 जुर्माना और उपकरण सील किए जाएंगे।

पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई की रेड, आप ने भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए दावा किया कि आप नेताओं को डराने-धमकाने के लिए केंद्र सरकार ने सीबीआई का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।

ताजा मामला दुर्गेश पाठक से जुड़ा है, जिन्हें हाल ही में गुजरात विधानसभा चुनाव 2027 के लिए आम आदमी पार्टी का सहप्रभारी नियुक्त किया गया है। सहप्रभारी नियुक्त किए जाने के कुछ दिन बाद ही गुरुवार सुबह केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उनके घर पर छापेमारी की। आम आदमी पार्टी ने इस घटना को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है।

सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पिछले गुजरात चुनाव में आम आदमी पार्टी की मजबूत मौजूदगी से घबराकर भाजपा ने हमारे नेताओं को गिरफ्तार करवाया था। अब जब दुर्गेश पाठक को गुजरात की जिम्मेदारी सौंपी गई है, तो सीबीआई को उनके पीछे लगा दिया गया है।

आम आदमी पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से बयान जारी कर कहा, गुजरात के सहप्रभारी दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई पहुंची है। केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी को खत्म करने का हर हथकंडा अपना लिया, लेकिन फिर भी उन्हें चैन नहीं है। गुजरात में भाजपा की हालत पतली हो रही है। जैसे ही दुर्गेश पाठक को वहां की जिम्मेदारी दी गई, जिस पर भाजपा बौखला गई है।

'आप' ने यह भी कहा कि भाजपा अब आम आदमी पार्टी को गुजरात में एक प्रमुख विपक्षी ताकत के रूप में देखने लगी है और इसी वजह से वह डर गई है। पार्टी के अनुसार, यह छापेमारी इस बात का संकेत है कि भाजपा 'आप' के निरंतर विस्तार से घबरा चुकी है।

आतिशी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि आम आदमी पार्टी ने जैसे ही गुजरात चुनाव की तैयारी शुरू की, गुजरात के सह-प्रभारी दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई रेड करने पहुंच गई! गुजरात में 'आप' ही भाजपा को चुनौती दे सकती है और यह रेड इनकी बौखलाहट दिखा रही है!

बीजेपी ने महागठबंधन की बैठक पर की टिप्पणी, मनोज झा ने दिया जवाब

पटना ,(आरएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और महागठबंधन में शामिल अन्य दलों की होने वाली बैठक पर बीजेपी ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इस बैठक का कोई ठोस उद्देश्य नहीं है। बीजेपी के इस बयान पर आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कड़ा जवाब दिया है। मनोज झा ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए कहा, पहली बैठक का एक स्पष्ट उद्देश्य होता है कि हम सब एक साथ मिलकर चुनावी मैदान में उतरेंगे। यह बैठक उसी संदर्भ में है, और इसका मुख्य उद्देश्य है कि तमाम दल एकजुट होकर बिहार में बढ़ती समस्याओं का समाधान करें। यह बैठक यह तय करने के लिए है कि बिहार में एक सशक्त विकल्प की आवश्यकता है, और जो दल सबसे अधिक जीतने की क्षमता रखता है, वह सबसे महत्वपूर्ण है।इसके जवाब में बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा, महागठबंधन के जो लोग आज बैठने वाले हैं, उनके बैठने का कोई उद्देश्य नहीं है। यह पूरी तरह से फ्लॉप शो साबित होने वाला है। हम तो कह रहे हैं कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव में जाएंगे, लेकिन महागठबंधन के लोग यह नहीं कहने को तैयार हैं कि वे तेजस्वी यादव के नेतृत्व में चुनावी रण में उतरेंगे।

प्रेमी संग मिलकर खुद ही उजाड़ दिया अपना सुहाग, पति की लाश को 10 बार सांप से डंसवाया

मेरठ(आरएनएस)। यहां एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसे जान सब हैरान हैं। दरअसल एक पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर सोते वक्त पति का गला घोंटा, फिर शव के नीचे सांप को दबा दिया। सांप ने युवक को 10 बार डसा। वारदात के बाद बॉयफ्रेंड को वहां से भगा दिया और खुद दूसरे कमरे में सोने चली गई। सुबह जब घरवाले उठे तो देखा कि युवक की मौत हो चुकी थी। उसके हाथ के नीचे एक जिंदा सांप दबा हुआ था। पूरा मामला मेरठ के बहसूमा थाना क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव का है। यहां रहने वाला अमित मजदूर था। आठ साल पहले उसकी शादी रविता नाम की महिला से हुई थी। तीन छोटे-छोटे बच्चे भी थे। सबकुछ ठीक लग रहा था, लेकिन घर के अंदर कुछ और ही चल रहा था रविता के गांव के ही एक युवक अमरदीप जो अमित का दोस्त भी था उससे नजदीकियां बढ़ गई थीं। धीरे-धीरे ये रिश्ता प्यार में बदल गया। जब अमित को इसकी भनक लगी, तो उसने विरोध किया. बात-बात पर झगड़े होने लगे, लेकिन रविता ने न तो रिश्ता खत्म किया, न झगड़े बल्कि पति को ही खत्म करवा दिया। पुलिस के मुताबिक, अमित की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई। इसमें पता चला कि अमित की मौत सांप के डसने से नहीं, बल्कि दम घुटने से हुई है। इसके बाद शक के आधार पर पुलिस ने पहले अमित की पत्नी रविता को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपने बॉयफ्रेंड का नाम बताया। शुरुआत में दोनों ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन जब सख्ती से पूछताछ हुई तो दोनों ने जुर्म कबूल कर लिया।

शाहीन बाग की रिहायशी इमारत में लगी आग, कोई जनहानि नहीं

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में देर रात एक रिहायशी इमारत में आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया गया। दमकल विभाग के मुताबिक, आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे किसी की जान को नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, इमारत के पास खड़ी 3 से 4 कारें आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गईं।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। हालांकि, वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

दिल्ली में हर 70 पार बुजुर्ग को मिलेगा 'आयुष्मान कार्ड', अप्रैल के अंत तक लागू होगी योजना

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली सरकार अप्रैल के अंत तक 70 साल से अधिक उम्र के सभी के लोगों के लिए आयुष्मान कार्ड लॉन्च करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को अन्य कैबिनेट मंत्रियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें राज्य और केंद्र सरकार के विधायक और अधिकारी मौजूद थे।

यह पहल आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य हर परिवार को साल भर में 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर देना है, ताकि वे माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पतालों में इलाज करा सकें।

बैठक का उद्देश्य आयुष्मान कार्डों का क्रियान्वयन और वितरण करने के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में आरोग्य मंदिर खोलने पर चर्चा करना था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई सालों के इंतजार के बाद दिल्ली को आयुष्मान भारत योजना मिली है और इसे लागू करने के लिए आज हम बैठक कर रहे हैं, ताकि सभी कार्ड जल्दी से बनकर जनता तक पहुंच सकें। सभी विधायकों को यह जिम्मेदारी दी गई है। 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को इसका लाभ देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

दिल्ली के हर इलाके में 1,139 आरोग्य मंदिर खोलने के लिए जगह की पहचान का काम तुरंत शुरू करना चाहिए,

क्योंकि पिछली सरकारों ने समय बर्बाद किया और दिल्ली को नुकसान हुआ। अब हम नहीं चाहते कि और समय बर्बाद हो। हमारी सरकार आज से इस पर काम करना शुरू कर देगी।

सभी आयु वर्ग के 70 साल या उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान कार्ड के लिए पात्र होंगे।

यह कार्ड हर साल हर परिवार को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर देता है, जिसमें 1500 से ज्यादा चिकित्सा प्रक्रियाएं शामिल हैं।दिल्ली सरकार शहर भर में 1,139 आरोग्य मंदिर खोलने की योजना बना रही है। ये आरोग्य मंदिर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेंगे, जो मोहल्ला क्लीनिकों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं से अलग होंगी।विधायकों को जिलाधिकारियों के साथ मिलकर मौजूदा आयुष्मान कार्ड वितरित करने और आरोग्य मंदिर खोलने का काम सौंपा गया है।दिल्ली की सीएम गुप्ता ने कहा, विधायकों को जिलाधिकारियों (डीएम) के साथ मिलकर मौजूदा आयुष्मान कार्डों को जल्द से जल्द वितरित करने और राज्य के सभी हिस्सों में आरोग्य मंदिर खोलने का काम करने का निर्देश दिया गया है।इस बीच, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि सरकार दिल्ली के लोगों के लिए 1,139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाएगी।उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य दिल्ली के लोगों के लिए 1,139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाना है और हम इसे हासिल करेंगे। इस पर चर्चा हुई कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को यह सुविधा जल्द से जल्द कैसे दी जा सकती है। हमारे आरोग्य मंदिर मोहल्ला क्लीनिकों से पूरी तरह अलग होंगे। आप उनकी संरचना और काम करने का तरीका अलग देखेंगे। दिल्ली के लोग इसे पसंद करेंगे।आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत दिल्ली सरकार और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच 5 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

वमीका गब्बी ने पर्पल गाउन में ढाया कहर, इंस्टाग्राम पर शेयर की तस्वीरें, फैंस हुए दीवाने

बॉलीवुड और ओटीटी की मशहूर एक्ट्रेस वमीका गब्बी ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दिया है. वमीका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टनिंग फोटोशूट की झलक दिखाई, जिसमें वह पर्पल गाउन में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं. तस्वीरों को शेयर करते हुए वमीका ने कैप्शन में लिखा, आज कुछ नहीं लिखूंगी! ज अरे नहीं!. उनके इस पोस्ट पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट किया, अति आश्चर्यजनक!, वहीं एक अन्य फैन ने लिखा, वाह, क्या नज़ारा है!! उनकी इस तस्वीर पर अब तक 4 लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और यह तेजी से वायरल हो रही है.

वमीका गब्बी अपनी बेहतरीन एक्टिंग के साथ-साथ अपने फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं. उनकी हर तस्वीर सोशल मीडिया पर छा जाती है, और इस बार भी उन्होंने फैंस को अपनी स्टाइलिश लुक से दीवाना बना दिया है.

बॉक्स ऑफिस पर गुड बैड अग्ली अव्वल, जाट दहाड़ जारी, आखिरी सांसें गिन रहा सिकंदर

इन दिनों सिनेमाघरों में कई बड़ी एक्शन फिल्मों ने कब्जा जमा रखा है। इसमें सनी देओल की 'जाट', सलमान खान की 'सिकंदर' और साउथ अभिनेता अजित कुमारी की 'गुड बैड अग्ली' शामिल है। इन बड़े स्टार्स की फिल्मों से फैंस को हमेशा उम्मीद रहती है। आइए जानते हैं मंगलवार को बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों ने कैसा प्रदर्शन किया?

सनी देओल की फिल्म 'जाट' का हिंदी और साउथ दोनों ही प्रशंसक बेसब्री से कर रहे थे। फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। 'जाट' ने मंगलवार यानी रिलीज के छठे दिन 5.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

100 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म 'जाट' ने पहले दिन 9.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके बाद पहले वीकएंड पर इसकी कमाई में उछाल आया और इसने रविवार को 14 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म की कुल कमाई की बात की जाए तो इसने अब तक 53.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है: सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर ने अपने करियर को लेकर बताया कि वह अपने काम पर फोकस करती हैं और रिजल्ट की फिक्र नहीं करती हैं। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री एक ऐसी जगह है, जहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की गारंटी नहीं होती। यह पूछे जाने पर कि वह लगातार आगे बढ़ रही इंडस्ट्री में अपेक्षाओं के दबाव को कैसे मैनेज करती हैं, सैयामी ने बताया, दबाव कभी पूरी तरह से खत्म नहीं होता, लेकिन जब आपका ध्यान रिजल्ट के बजाय काम पर होता है, तो सांस लेना आसान हो जाता है। मैंने रिजल्ट के बारे में सोचना छोड़ दिया है और प्रक्रिया को महत्व देना शुरू कर दिया है।

अभिनेत्री ने आगे बताया, मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जो दूसरों को प्रभावित करती हैं। ऐसे किरदार निभाना पसंद है, जो चुनौती देते हैं और मैं अपने काम से ही इस प्रेशर को मैनेज करती हूं। मैंने अभिनय की दुनिया में भी कदम इसी वजह से रखा था, क्योंकि मुझे यह पसंद है।

साल 2015 से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली एक्टर को फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा आश्चर्य किस बात से होता है? सैयामी ने कहा, इसकी अनिश्चितता।

अभिनेत्री ने कहा, मैं फिल्म इंडस्ट्री की अनिश्चितता से हैरान हूं, जहां आप चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, रिजल्ट की कभी गारंटी नहीं होती।

आप किसी चीज में अपना दिल, आत्मा, मेहनत सब कुछ लगा सकते हैं, फिर भी निश्चित नहीं है कि परिणाम क्या होगा। लेकिन यही चीज उसे जीवंत और मैजिकल बनाए रखती है।उन्हें यह भी आश्चर्य होता है कि समय की पाबंदी को एक रेयर क्वालिटी के रूप में कैसे देखा जाता है।सैयामी ने कहा, एक और बात जो मुझे वाकई हैरान करती है, वह यह कि समय की पाबंदी को एक रेयर क्वालिटी की तरह देखा जाता है। मेरे लिए, समय की पाबंदी ऐसी चीज नहीं है जिसकी सराहना की जानी चाहिए - यह सम्मान का एक बुनियादी संकेत है। अनुशासन को अक्सर कम आंका जाता है।

सैयामी की हालिया रिलीज फिल्म 'जाट' है, जिसमें वह सनी देओल और रणदीप हुड्डा के साथ मुख्य भूमिका में हैं। 10 अप्रैल को रिलीज हुई फिल्म 50 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है।

जाट में रेजिना कैसेंड्रा भी अहम किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने फिल्म में टच किया गाने पर डांस किया है।

गोपीचंद मलिनेनी के निर्देशन में बनी जाट का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने मिलकर किया है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज हुई है।

विक्रम भट्ट ने की नई हॉरर फिल्म हॉन्टेड 3डी: घोस्ट्स ऑफ द पास्ट की घोषणा, सीक्वल की रिलीज डेट का भी एलान

2011 में रिलीज हुई हॉन्टेड 3डी को उस दौर में भट्ट कैंप की सबसे बेहतरीन हॉरर फिल्मों में से एक है. फिल्म में मिमोह चक्रवर्ती और टिया बाजपेयी मुख्य भूमिका निभाई थी. इस फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया था. यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई. लगभग 14 साल के बाद यह फिल्म अपने सीक्वल के साथ वापस सिनेमाघरों में लौट रही है. मेकर्स ने सीक्वल की रिलीज डेट का एलान किया है.हॉन्टेड 3डी 2011 की हिट कहानी में से एक है. विक्रम भट्ट निर्देशित फिल्म की कहानी एक ऐसे युवक की है, जो खुद को अतीत में फंसी एक लड़की की आत्मा से रहस्यमय तरीके से जुड़ा हुआ पाता है. उसे पता चलता है कि लड़की का उसके पियानो टीजर ने रेप किया था. एक दर्दनाक घटना होती है, जो उसकी आत्मा को बेचैन कर दिया. इसके बाद जो होता है वह खौफ, आत्मा की मुक्ति और समय सीमाओं में चीजों को सही करने की कोशिश की एक खौफनाक कहानी है.

लगभग 14 साल के बाद मेकर्स हॉन्टेड 3डी के सीक्वल के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं. हॉन्टेड 3डी के सीक्वल के प्रोड्यूसर आनंद पंडित ने फिल्म के टाइटल और रिलीज डेट का एलान किया है. साथ ही, उन्होंने फिल्म के स्टार कास्ट से भी पर्दा हटाया है.आनंद पंडित ने फिल्म के सीक्वल का एक मोशन पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट की सफलता के बाद महेश भट्ट और विक्रम भट्ट के साथ फिर से जुड़कर रोमांचित हूं, हमारी अगली रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी हॉन्टेड 3डी: घोस्ट्स ऑफ द पास्ट में महाअक्षय चक्रवर्ती और चेतना पांडे मुख्य भूमिका में हैं.उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट के बारे में बताते हुए आगे लिखा है, विक्रम भट्ट निर्देशित यह फिल्म आनंद पंडित मोशन पिक्चर्स और महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत, आनंद पंडित, राकेश जुनेजा और श्वेतांबरी भट्ट द्वारा निर्मित, रूपा पंडित और राहुल वी. दुबे द्वारा सह-निर्मित होगी.

बीआरबी: फर्स्ट ब्लड की शूटिंग शुरू, निर्माताओं ने जारी किया किच्चा सुदीप का फर्स्ट लुक

साउथ सुपरस्टार किच्चा सुदीप ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म बीआरबी: फर्स्ट ब्लड (बिल्ला रंगा बाशा) की शूटिंग शुरू होने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। अनूप भंडारी द्वारा निर्देशित और प्राइम शो एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित यह फिल्म पिछले कुछ समय से प्री-प्रोडक्शन में थी और आखिरकार इसकी शूटिंग शुरू हो गई है।

अपने एक्स पोस्ट में किच्चा सुदीप ने लिखा, 2209 एडी- बीआरबी: फर्स्ट ब्लड आज से यात्रा शुरू हो रही है। हमारे लिए हमारी टीम का यह विशाल सपना और विजन फ्लोर पर जाना एक अनोखा उत्साह है। एक पोस्टर भी जारी किया गया, जिसमें सुदीप को बर्फीले तूफान में दिखाया गया है, माथे पर बर्फ का चश्मा पहने हुए हैं, जिसमें आग से मची तबाही के दृश्य को दिखाया गया है।बीआरबी: फर्स्ट ब्लड के जरिए सुदीप ने निर्देशक अनूप भंडारी के साथ दोबारा हाथ मिलाया है। इससे पहले दोनों ने विक्रांत रोना में साथ काम किया था, जो सुपरहिट रही थी। पिछले साल किच्चा सुदीप के जन्मदिन पर फिल्म का एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया गया था, जिसमें वर्ष 2209 एडी में एक तबाही के बाद के भविष्य में सेट दो-भाग की कहानी के रूप में दुनिया की झलक दिखाई गई थी।इस प्रोजेक्ट को के निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी के प्राइम शो एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया जा रहा है, जिन्हें ब्लॉकबस्टर हनुमान के निर्माण के लिए जाना जाता है। जैसे ही पोस्टर रिलीज हुआ सुपरस्टार के प्रशंसकों ने इस प्रोजेक्ट के बारे में अपनी प्रतिक्रिया और फिल्म की रिलीज के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

भूल चूक माफ का पहला गाना रिलीज, राजकुमार राव और वामिका गब्बी का दिखा रोमांटिक अंदाज

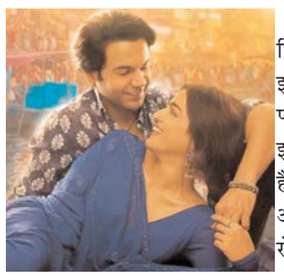

राजकुमार राव और वामिका गब्बी की आगामी फिल्म 'भूल चूक माफ' का नया गाना आज रिलीज हो गया है। फिल्म के मजेदार ट्रेलर के बाद अब फिल्म का पहला गाना आज रिलीज हुआ है। 'कोई ना' एक रोमांटिक गाना है। इस गाने में राजकुमार राव और वामिका गब्बी के बीच जबरदस्त केमेस्ट्री देखने को मिल रही है।'भूल चूक माफ' का पहला गाना 'कोई ना' तनिष्क बागची और गिफ्टी ने कंपोज किया है, जबकि इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। इस गाने को हरनूर और श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर आवाज से सजाया है। यह पंजाबी गाने वालियान का रीमेक है।फिल्म का पहला गीत 'भूल चूक माफ' के प्रमुख कलाकारों राजकुमार राव और वामिका गब्बी के किरदारों रंजन और तितली की प्रेम कहानी की झलक पेश करता है। यह दिखाता है कि वाराणसी की खूबसूरत जगहों पर उनका रोमांस कैसे पनपता है

कपड़े को नुकसान पहुंचाए बिना जिद्दी दाग हटा देगी ये नेचुरल ट्रिक, आजमा कर देखें

हल्दी भारतीय व्यंजनों का एक अभिन्न अंग है. यह न केवल अपने स्वाद और रंग के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि इसके औषधीय गुणों के लिए भी प्रसिद्ध है. हालांकि, इसकी सबसे बड़ी समस्याओं में से एक कपड़ों पर छोड़े जाने वाले जिद्दी पीले दाग हैं! कई लोगों की शिकायत होती है कि हल्दी का दाग एक बार लग जाने के बाद कभी नहीं जाता है. हल्दी में मौजूद करक्यूमिन घटक रंग को बनाए रखने की क्षमता रखता है, जिससे दागों को आसानी से हटाना मुश्किल हो जाता है. लेकिन चिंता ना करें! कुछ आसान और नेचुरल घरेलू उपायों से आप अपने कपड़े को नुकसान पहुंचाए बिना घर पर ही इन दागों को साफ कर सकते हैं. खबर के माध्यम से जाने कैसे...

नींबू और नमक: नेचुरल क्लीनर

यदि आपके कपड़ों पर हल्दी का दाग ताजा है, तो आप इसे नींबू के रस और नमक का उपयोग करके हटा सकते हैं. दाग पर ताजा नींबू निचोड़ें, थोड़ा नमक छिड़कें और धीरे से रगड़ें. इस मिश्रण को दाग पर 15 मिनट तक लगा रहने दें, फिर कपड़े को धो लें. धूप में सुखाने पर रिजल्ट बेहतर दिखते हैं.

नींबू और नमक कपड़े से कॉफी, चाय या पसीने के दाग भी हटा सकते हैंकपड़े के दाग वाले हिस्से पर थोड़ा नमक छिड़कें. आधे कटे नींबू से रगड़ें.फिर कपड़े को डिटर्जेंट से धोएं, ऐसा करने से दाग जल्दी हट जाएंगे

बेकिंग सोडा: जिद्दी दागों के लिए एक इफेक्टिव तरीका

जिद्दी दागों के हटाने के लिए एक चम्मच बेकिंग सोडा और थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को दाग वाले जगह पर लगाएं और 20 मिनट तक छोड़ दें. फिर पेस्ट सूख जाने के बाद उसे हल्के हाथों से रगड़ें और कपड़े को ठंडे पानी से धो लें. ऐसा करने से सख्त दाग कपड़े से जल्दी हट जाएंगे.

विनेगर का इस्तेमाल: दाग-धब्बे हल्के करने के लिए बढ़िया

सफेद सिरके के एसिटिक गुण हल्दी के दागों को हटाने में मदद करते हैं. आप कपड़ों पर लगे दागों को हटाने के लिए सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं. साबुन के जमाव की तरह, गंदगी और खाने के कण सिरके के संपर्क में आने पर हल्के हो सकते हैं. ऐसा करने के लिए, एक गिलास पानी में 1 कप सिरका घोलें. फिर उस घोल को सीधे दाग वाली जगह पर डालें और थपथपाएं. फिर, इसे कुछ मिनट तक लगा रहने दें और फिर कपड़े को धो लें. यदि आवश्यक हो तो प्रक्रिया को दो बार दोहराएं

हैंड सैनिटाइजर या अल्कोहल

हैंड सैनिटाइजर कपड़ों से दाग हटाने में कारगर हो सकता है, खास तौर पर स्याही, खून और हल्दी दाग. सैनिटाइजर में मौजूद अल्कोहल दाग हटाने मदद करता है, ऐसे में यदि हल्दी का दाग कपड़े काफी समय से लगा हुआ है तो थोड़ा सा हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करें. इसे दाग पर लगाकर 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर धीरे से रगड़ें. फिर कपड़े को साबुन के पानी में धो लें. ऐसा करने से दाग कपड़े से जल्दी हट जाएंगे.

टूथपेस्ट: कपड़े से दाग हटाने का आसान तरीका

सादे सफेद टूथपेस्ट से कपड़ों से दाग हटाने का एक कारगर और आसान तरीका हो सकता है. कपड़े से दाग हटाने के लिए टूथपेस्ट को दाग वाली जगह पर लगाएं, फिर इसे 15 मिनट के लिए छोड़ दें, और गीले कपड़े से पोंछ दें. फिर कपड़े को धो लें. टूथपेस्ट में मौजूद सफाई तत्व दाग को हल्का कर देते हैं और इससे आसानी से दाग निकल जाते हैं.

रसोई में एयर फ्रायर रखने से मिल सकते हैं ये 5 प्रमुख फायदे

आजकल की व्यस्त जीवनशैली में सेहतमंद खान-पान बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो गया है। ऐसे में एयर फ्रायर एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। यह एक ऐसा उपकरण है, जो कम तेल का उपयोग करके खाने को कुरकुरा बना सकता है। इस लेख में हम जानेंगे कि एयर फ्रायर का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है और यह कैसे आपकी रसोई का हिस्सा बन सकता है। एयर फ्रायर का उपयोग करके आप स्वादिष्ट और सेहतमंद भोजन बना सकते हैं।

कम तेल का होता है इस्तेमाल

एयर फ्रायर का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह कम तेल में खाना बनाता है। पारंपरिक तरीके से तलने में बहुत सारा तेल लगता है, जिससे खाना ज्यादा कैलोरी वाला हो जाता है।

एयर फ्रायर में आपको सिर्फ एक चम्मच तेल की जरूरत होती है, जिससे खाने की कैलोरी कम हो जाती है और यह सेहतमंद बनता है। इससे आप बिना किसी चिंता के तले हुए व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

तेजी से खाना बनाना

एयर फ्रायर न केवल सेहतमंद है, बल्कि यह तेजी से खाना भी तैयार करता है।ओवन की तुलना में एयर फ्रायर में खाना बनाने में कम समय लगता है। यह उपकरण गर्म हवा का उपयोग करके खाने को जल्दी पका देता है, जिससे आपका समय बचता है और आप अन्य काम आसानी से कर सकते हैं।इसके अलावा एयर फ्रायर में खाना बनाते समय आपको बार-बार जांचने की जरूरत नहीं पड़ती है, जिससे खाना समान तरीके से बनता है।

अलग-अलग तरह के व्यंजन बनाने की क्षमता

एयर फ्रायर का उपयोग करके आप अलग-अलग तरह के व्यंजन बना सकते हैं। इसमें आप आलू के चिप्स, पकोड़े, समोसे आदि कुरकुरे बना सकते हैं।इसके अलावा आप चिकन विंग्स, मछली, सब्जियां आदि भी एयर फ्रायर में पका सकते हैं। एयर फ्रायर में ग्रिल्ड चीजें भी बनाई जा सकती हैं जैसे पिज्जा, बर्गर आदि।इस तरह यह उपकरण आपके खाने की विविधता बढ़ाने में मदद करता है और आपको अलग-अलग स्वाद का आनंद लेने का मौका देता है।

साफ-सफाई में आसानी

एयर फ्रायर साफ-सफाई में बहुत आसान होता है। इसके अधिकांश हिस्से अलग किए जा सकते हैं, जिन्हें आप धोकर साफ कर सकते हैं।इसके अलावा एयर फ्रायर की बाहरी सतह भी आसानी से पोंछी जा सकती है। कुछ एयर फ्रायर्स में नॉन-स्टिक कोटिंग होती है, जिससे खाना नहीं चिपकता और साफ करना आसान हो जाता है।इस प्रकार एयर फ्रायर न केवल खाना बनाने बल्कि साफ-सफाई के मामले में भी बहुत सुविधाजनक है।

सुरक्षित और उपयोग में सरल

एयर फ्रायर सुरक्षित और उपयोग में सरल होता है। इसमें तापमान नियंत्रित करने की सुविधा होती है, जिससे आप आसानी से जान सकते हैं कि कितना गर्म करना चाहिए।इसके अलावा इसमें टाइमर सेट किया जा सकता है, जिससे खाना समय पर तैयार हो जाता है।एयर फ्रायर का हैंडल गर्म नहीं होता है, जिससे जलने का खतरा नहीं रहता है।

हमे फर्क नहीं पड़ता, डोनाल्ड ट्रंप के 245 प्रतिशत टैरिफ हमले पर चीन के आया ये जवाब

बीजिंग ,(आरएनएस)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से चीन के ऊपर लगाए गए 245 प्रतिशत टैरिफ को लेकर चीन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीजिंग की तरफ टैरिफ को बढ़ाने के फैसले पर तंज कसते हुए कहा गया कि ट्रंप प्रशासन द्वारा चीनी आयात पर लगाया गया यह टैरिफ अब तर्कसंगत नहीं है, इससे अब ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। चीन इस व्यापारिक युद्ध में शामिल नहीं होना चाहता है लेकिन इतना साफ है कि हम इससे डरते भी नहीं है। ऐसे व्यापारिक युद्धों का कोई विजेता नहीं होता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चीन की तरफ से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि अमेरिका द्वारा उसके ऊपर लगाए गए टैरिफ केवल अब आंकड़ों का खेल बन चुके हैं। इन टैरिफ्स का असर आर्थिक रूप से नहीं पड़ेगा। दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन की तरफ से लिए गए इस फैसले से यह साफ हो गया है कि कैसे अमेरिका दूसरों को डराने-धमकाने और मजबूर करने के लिए टैरिफ का उपयोग एक हथियार के रूप में करता है। ट्रंप प्रशासन को निशाने पर लेते हुए चीनी प्रवक्ता ने कहा, अगर अमेरिका टैरिफ के साथ आंकड़ों का खेल-खेलना जारी रखता है तो चीन उसे नजरंदाज ही करेगा.. क्योंकि इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा.. हां, लेकिन अगर अमेरिका अगर चीन के अधिकारों और हितों को वास्तविक नुकसान पहुंचाना जारी रखता है, तो चीन इसका प्रतिरोध पूरी ताकत के साथ करेगा और आखिर तक अपनी बात पर अड़ा रहेगा। चीन से जब इसके बारे में टैरिफ रेट के बारे में पूछा गया को मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि यह आप अमेरिका से ही पूछिए। यह लड़ाई अमेरिका की तरफ से शुरू की गई है.. हम सिर्फ अमेरिका के हमलों का जवाब दे रहे हैं। हम जो भी कदम उठा रहे हैं वह बहुत ही तार्किक हैं, जबकि अमेरिका की तरफ से उठाए गए कदम बिल्कुल भी तर्कसंगत नहीं हैं।

बता दें कि अमेरिका की तरफ टैरिफ वॉर में एक कदम और आगे बढ़ते हुए चीन से आयात होने वाले सामानों पर 245 फीसदी तक टैरिफ लगा दिया गया था। अमेरिका की तरफ से कहा गया कि चीन पर यह टैरिफ उसके द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई का नतीजा है।

हम हिंदुओं से अलग हैं' पाक आर्मी चीफ ने फिर उगला जहर, कश्मीर को लेकर फिर दी गीदड़भभकी

इस्लामाबाद (आरएनएस)। पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने एक बार फिर भारत और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगला है। एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने नफरती बयान देते हुए कहा कि पाकिस्तानियों को अपनी अलग पहचान और संघर्षों की कहानी अपनी अगली पीढ़ियों को जरूर सुनानी चाहिए।मुनीर ने कहा, हम हर एंगल से हिंदुओं से अलग हैं हमारा धर्म, रिवाज और सोच अलग है। हम दो राष्ट्र हैं, एक नहीं। उन्होंने दावा किया कि दुनिया में सिर्फ दो मुल्क कलमे की बुनियाद पर बने मदीना और पाकिस्तान।आर्मी चीफ ने कश्मीर को पाकिस्तान की शिरगर्द नस बताया और कहा कि कोई ताकत कश्मीर को पाकिस्तान से अलग नहीं कर सकती। भारत पर तंज कसते हुए बोले कि 1500 आतंकवादी देश की किस्मत नहीं बदल सकते, हम जल्द आर्तकियों की कमर तोड़ देंगे। मुनीर ने गाजा में इजरायल की सैन्य कार्रवाई की आलोचना करते हुए फिलिस्तीनियों के प्रति समर्थन जताया। अंत में उन्होंने पाकिस्तान के अस्तित्व को अल्लाह की देन बताते हुए लोगों से भावुक अपील की कि वे अपने देश की कहानी अगली पीढ़ियों को जरूर सुनाएं।

आ गई टाईम मैगजीन की लिस्ट, ट्रंप से लेकर यूनुस का नाम शामिल; किसी भी भारतीय को नहीं मिली जगह

न्यूयॉर्क (आरएनएस)। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में से एक टाईम मैगजीन ने 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी कर दी है। इस बार की सूची में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लेकर बांग्लादेश के विवादित नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस तक के नाम शामिल हैं। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि इस साल इस सूची में किसी भी भारतीय को जगह नहीं मिली है।

टाईम की यह सालाना लिस्ट वैश्विक स्तर पर सबसे प्रभावशाली मानी जाती है और इसे लीडर्स, आइकॉन्स, और टाइटन्स जैसी विभिन्न कैटेगरीज में बांटा गया है। 2025 की सूची में टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारर, अमेरिकी राष्ट्रपति जेडी वेंस, और रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनाया जैसे नाम प्रमुख हैं।

2024 की लिस्ट में भारत से आलिया भट्ट और साक्षी मलिक जैसे नाम शामिल थे, लेकिन इस बार किसी भी भारतीय को शामिल न किया जाना कई लोगों को हैरान कर रहा है, खासकर तब जब भारत टेक्नोलॉजी, डिप्लोमेसी और क्रिएटिव फील्ड में लगातार नए कीर्तिमान बना रहा है।

हालांकि, भारतीय मूल की रेशमा केवलरमानी ने इस बार की लिस्ट में जगह बनाई है। वह अमेरिका की जानी-मानी बायोटेक कंपनी वर्टेक्स फार्मास्युटिकल्स की सीईओ हैं। रेशमा 11 साल की उम्र में भारत से अमेरिका गई थीं और अब एक पब्लिक बायोटेक कंपनी की पहली महिला सीईओ बन चुकी हैं। उनकी प्रोफाइल टाइम के लेखक जेसन केली ने लिखी है।

इस बार की लिस्ट में सेरेना विलियम्स, ग्रेटा गेरविग, एड शीरन और स्नूप डॉग जैसे पॉपुलर नाम भी शामिल हैं। 21 साल से प्रकाशित हो रही यह लिस्ट न केवल पॉपुलैरिटी बल्कि प्रभाव, नेतृत्व और बदलाव लाने की क्षमता को भी दर्शाती है।

भारतीयों की गैर-मौजूदगी पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ी हुई है। यूजर्स का कहना है कि जब भारत वैश्विक मंचों पर इतनी बड़ी भूमिका निभा रहा है, तब टाईम की लिस्ट में किसी भारतीय को जगह न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है।

ईरान के सीक्रेट न्यूक्लियर प्रोग्राम से अमेरिका बौखलाया, आईएईए प्रमुख की चेतावनी- 'किसी भी वक्त बना सकता है बम'

न्यूयॉर्क ,17 अप्रैल । अमेरिका और पश्चिमी देशों की ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंता फिर तेज हो गई है। आईएईए (अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की दहलीज पर है। उन्होंने कहा, ईरान के पास जिग्सॉ पज़ल के सभी टुकड़े मौजूद हैं, जिन्हें कभी भी जोड़कर परमाणु बम तैयार किया जा सकता है।

ग्रॉसी इस समय ईरान दौरे पर हैं और उन्होंने चेतावनी दी कि 2015 की परमाणु डील के विफल होने के बाद तेहरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को तेज़ कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि बिना द्वश्व की भागीदारी के कोई भी नया परमाणु समझौता केवल एक कागज़ का टुकड़ा होगा।

इस बीच अमेरिका ने फिर से आगाह किया है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा बन सकता है। यदि ईरान परमाणु बम विकसित करता है, तो इससे मिडिल ईस्ट में हथियारों की होड़ शुरू हो सकती है। सऊदी अरब भी कई बार स्पष्ट कर चुका है कि यदि ईरान ने परमाणु हथियार बनाए, तो वह भी जवाबी कदम उठाएगा। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान पहले ही संकेत दे चुके हैं कि वे जल्द कोई फैसला लेने को तैयार हैं।

पाकिस्तान में ओलावृष्टि का कहर : इस्लामाबाद से ख़ैबर पख़्तूनख़्वा तक तबाही, सैकड़ों गाड़ियों को नुक़सान

इस्लामाबाद (आरएनएस)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और अफ़ग़ानिस्तान सीमा से सटे प्रांत ख़ैबर पख़्तूनख़्वा के कई हिस्से बुधवार को अचानक आई तेज़ ओलावृष्टि से प्रभावित हो गए।

इस भारी ओलावृष्टि ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया और सैकड़ों कारों, घरों और दुकानों के शीशे टूट गए। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, इस्लामाबाद के स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्होंने जीवन में इतने बड़े और भारी ओले पहले कभी नहीं देखे।ख़ैबर पख़्तूनख़्वा के लंडी कोतल क्षेत्र में ओलों के साथ भारी बारिश हुई, जिससे इलाके में अचानक बाढ़ जैसे हालात बन गए। बाढ़ के पानी में कई वाहन बहने की घटनाएं भी सामने आईं।इस पूरी तबाही के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रही हैं, जिनमें टूटी हुई कारों की खिड़कियाँ, घरों की क्षतिग्रस्त छतें और जलभराव से जूझते लोग देखे जा सकते हैं।मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में कुछ इलाकों में और बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई है, जिससे हालात और बिगड़ सकते हैं। स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं, लेकिन प्रभावित लोगों ने सरकारी मदद की धीमी गति को लेकर नाराज़गी भी जताई है।

50 लाख साल पहले आई भयावह बाढ़ ने सूख चुके भूमध्य सागर को पानी से भर दिया : शोध

लंदन (ए)। करीब 50 लाख साल पहले धरती पर एक ऐसी विनाशकारी घटना हुई, जिसने न सिर्फ भूगोल को बदल दिया बल्कि आज के भूमध्य सागर का जन्म को भी तय किया। वैज्ञानिकों के अनुसार तब भूमध्य सागर पूरी तरह सूख चुका था और यह इलाका एक विशाल, गर्म, सूखी और नमकीन घाटी जैसा था। अटलांटिक महासागर से संपर्क टूटने के कारण यहाँ का जल स्तर हजारों फीट नीचे चला गया और नमक की मोटी परतें समुद्र तल पर जम गई। इस सूखे काल को 'मेसिनियन नमक संकट' बताया गया। परंतु यह संकट तब खत्म हुआ जब अटलांटिक महासागर का पानी एक विशाल बाढ़ के रूप में घाटी में घुस आया।

इस बाढ़ को ज़ैंकलीन मेगाफ्लड के नाम जाना गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह बाढ़ जिब्राल्टर की जगह से आई, जहां आज अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर आपस में मिलते हैं। बाढ़ की रफ्तार इतनी तेज थी कि पानी एक किलोमीटर ऊंची ढलान से गिरा और इसकी गति एक तेज रफ्तार कार से भी ज्यादा थी। इतना ही नहीं पानी ने अपने रास्ते में इतनी गहरी खाई बनाई, जितनी ऊंची आज की गगनचुंबी इमारतें होती हैं। इतना सारा पानी कुछ सालों या शायद कुछ महीनों में पूरे सूखे भूमध्य बेसिन को भर गया। जब यह बाढ़ चरम पर थी, तब इसमें अमेज़न नदी से करीब 1,000 गुना अधिक पानी बह रहा था।

2009 में वैज्ञानिकों ने बताया कि जिब्राल्टर के पास समुद्र के नीचे एक बड़ी घाटी का पता लगाया, जो शायद विशाल बाढ़ के कारण बनी थी। हाल ही में वैज्ञानिकों ने ज़ैंकलीन युग की तलछटी चट्टानों की जांच की, जिनसे यह स्पष्ट हुआ कि कैसे पानी ने सिसिली और अफ्रीका के बीच की जमीन को पार कर पूर्वी भूमध्य सागर को भी भरा। सिसिली के दक्षिणी हिस्से में वैज्ञानिकों ने असामान्य आकृतियों वाली पहाड़ियों का अध्ययन किया, जो वाशिंगटन (अमेरिका) में पिछली बर्फीली महाबाढ़ से बनी पहाड़ियों जैसी थीं। वहां मिली चट्टानें और कटाव इस बात का संकेत देती हैं कि यह इलाका भी एक भयानक बाढ़ से गुजरा था।

वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि पानी की रफ्तार 115 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती थी और यह 40 मीटर तक गहराई में जमीन को काटता हुआ बहा। एक अनुमान के अनुसार हर सेकंड 1 करोड़ 30 लाख क्यूबिक मीटर पानी इस बाढ़ में बह रहा था। यह आंकड़ा इसकी पुष्टि करता है कि यह पृथ्वी के इतिहास की सबसे भीषण बाढ़ों में से एक रही होगी। इसने न केवल समुद्र का रूप बदला बल्कि जीव-जंतुओं की प्रजातियों पर भी गहरा असर डाला।

भूमध्य सागर की आज की संरचना इसी घटना की देन है।

खेल समाचार

सिडनी टेस्ट से खुद को बाहर रखने पर रोहित शर्मा ने तोड़ी चुप्पी, किये कई बड़े खुलासे

नईदिल्ली, (आरएनएस)। आईपीएल 2025 के समापन के बाद भारतीय टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करने वाली है. ये सीरीज 20 जून से शुरू होगी. भारतीय टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा इस दौरे को टीम इंडिया के लिए बड़ी चुनौती करार दे रहे हैं, क्योंकि भारत 2007 के बाद से इंग्लैंड में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने की उम्मीद कर रहा है।

रोहित ने माइकल क्लार्क से बियॉन्ड 23 क्रिकेट पॉडकास्ट पर पिछले इंग्लैंड टूर के बारे में बात करते हुए कहा, पिछली बार जब हमने इन खिलाड़ियों के साथ खेला था, तो सीरीज 2-2 से बराबर थी. हमें इनमें से कुछ खिलाड़ियों (बुमराह और शमी) को 100% फिट होने की जरूरत है. जिसके बाद हमारे पास एक शानदार सीरीज होगी, और मैं जानता हूं कि ये खिलाड़ी इन दिनों किस तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं. यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक अच्छी चुनौती होगी।

भारतीय कप्तान इंग्लैंड सीरीज के दौरान निश्चित रूप से आलोचनाओं का सामना करेंगे, क्योंकि वो 2024-25 बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में बुरी तरह से फ्लॉप रहे थे. 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित ने 3 मैच खेले थे और सिर्फ 31 रन बन सके थे. पहले टेस्ट में वो उपलब्ध नहीं थे जबकि आखिरी टेस्ट में खराब फॉर्म का हवाला देते हुए उन्होंने खुद को टीम से बाहर कर लिया था।

रोहित ने खुद को बाहर रहने के फैसले के बारे में भी खुलकर बात की. उनकी जगह शुभमन गिल को शामिल किया गया था और भारत ने उस मैच को भी छह विकेट से गंवा दिया था. रोहित ने पॉडकास्ट में कहा, मुझे खुद के साथ ईमानदार होना था - मैं गेंद को अच्छी तरह से नहीं मार रहा था, और मैं सिर्फ खेलना नहीं चाहता था. कुछ अन्य खिलाड़ी भी संघर्ष कर रहे थे, और हम वास्तव में चाहते थे कि गिल खेलें. वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है इसलिए हमें लगा कि वह एक मौका पाने का हकदार है. मैंने कोच और चयनकर्ता से बात की, जो दौरे पर भी थे, और वे कुछ हद तक सहमत थे, कुछ हद तक नहीं।

रोहित ने आगे कहा, आप टीम को पहले रखने की कोशिश करते हैं, देखते हैं कि टीम को क्या चाहिए, और उसके अनुसार निर्णय लेते हैं. कभी-कभी यह काम करता है, कभी-कभी नहीं, बस यही होता है. आप जो भी निर्णय लेते हैं, उसकी सफलता या सही होने की कोई गारंटी नहीं होती. आप बस वही करते हैं जो टीम के लिए सबसे अच्छा लगता है.

रोहित ने ये भी कहा, जब से मैंने राष्ट्रीय टीम की कप्तानी शुरू की है, सिर्फ मैं ही नहीं, मैं चाहता हूं कि बाकी खिलाड़ी भी ऐसा ही सोचें - टीम को प्राथमिकता दें और टीम के लिए जो जरूरी है वो करें और मेरे रन, मेरे स्कोर और इस तरह की चीजों के बारे में ज्यादा चिंता न करें. यह जरूरी है क्योंकि आप एक टीम स्पोर्ट खेल रहे हैं.रोहित शर्मा ने 2024-25 सीजन के दौरान अपने करियर के सबसे खराब दौर में से एक का सामना किया. उन्होंने 15 पारियों में 10.83 की औसत से सिर्फ 164 रन बनाए. रोहित बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान खराब फॉर्म में थे, जिसमें भारत 0-3 से हार गया था. यह देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा को 20 जून से शुरू होने वाली आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए चुना जाएगा या नहीं।

आईपीएल 2025 के पहले सुपर ओवर में दिल्ली ने राजस्थान को हराया

स्टार्क ने हारा हुआ मैच टाई में बदला

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बुधवार, 16 अप्रैल को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के पहले सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स को हरा दिया. सुपर ओवर में राजस्थान 5 गेंद में 11 रन ही बना सकी थी, क्योंकि उनके दोनों बल्लेबाज रियान पराग और जायसवाल आउट हो गए थे. जिसकी वजह से दिल्ली को 12 रन का टारगेट मिला, जिसे वो 4 गेंद में ही हासिल कर लिया.

कैपिटल्स और रॉयल्स के बीच मैच आखिरी ओवर तक गया, क्योंकि 188 के जवाब में राजस्थान की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 188 रन ही बना सकी था. राजस्थान को जीत के लिए आखिरी ओवर में केवल 9 रनों की जरुरत थी और उसके 7 खिलाड़ी बचे हुए थे, लेकिन दिल्ली के तेज गेंदबाज स्टार्क ने आखिरी ओवर में सिर्फ 8 रन खर्च किए, जिसकी वजह से मैच टाई हो गया और सुपर ओवर में चला गया. यह आईपीएल इतिहास का 15वां सुपर ओवर था और लीग के 2022 संस्करण के बाद पहला सुपर ओवर था.इस जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स अंक तालिका में अपना शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है. उनके 6 मैचों में 5 जीत के साथ कुल 10 अंक हो गए है, वहीं दूसरी ओर, राजस्थान रॉयल्स 7 मैचों में 2 जीत और 5 हार के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गया है.मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करने के लिए बुलाए जाने के बाद, कैपिटल्स ने रॉयल्स के सामने 5 विकेट खोकर 189 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा. जिसमें अभिषेक पोरेल ने 37 गेंदों पर 49 रन बनाए. उसके बाद केएल राहुल 38 रन बनाकर आउट हो गए. अंत में अक्षर पटेल ने मात्र 14 गेंदों पर 34 रन बनाकर पारी में गति भर दी, जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे. डेथ ओवरों में ट्रिस्टन स्टब्स ने 18 गेंदों पर 34 रन बनाकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुरुचि और सौरभ की जोड़ी ने रचा इतिहास, शूटिंग वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल पर साधा निशाना

नई दिल्ली(आरएनएस)। सुरुचि फोगाट और सौरभ चौधरी की स्टार भारतीय जोड़ी ने पेरू के लीमा में अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में स्वर्ण पदक पर निशाना साधा है. उन्होंने याओ कियानक्सुन और हू काई की चीनी जोड़ी को 17-9 से हराकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम का खिताब जीता. यह सुरुचि का तीसरा विश्व कप स्वर्ण और सौरभ का नौवां स्वर्ण पदक था.इस जोड़ी ने क्वालीफिकेशन में संयुक्त 580 अंकों के साथ लास पालमास रेंज में स्वर्ण पदक मैच में जगह बनाई, जिसमें सुरुचि ने सौरभ को दो अंकों से पीछे छोड़ दिया. चीनी जोड़ी ने 585 अंक के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया. फाइनल मुकाबले में भी चीनी जोड़ी ने 2-6 और 4-8 की बढ़त के साथ बढ़त हासिल की, लेकिन भारतीय कोच समरेश जंग द्वारा लिए गए टाइम आउट से मैच की गति बदल गई.सुरुचि ने पूरे मैच में शानदार शॉट लगाए और दो बार जब वह 10-रिंग से चूक गई, तो उनके टोक्यो ओलंपियन साथी ने हाई 10 के साथ भरपाई की, जिसमें मैच के पहले हिट के लिए 10.9 शामिल थे.इस जोड़ी ने 10वीं सीरीज में सिंगल शॉट की पहली सीरीज के बाद खोई हुई बढ़त हासिल कर ली, और 11-9 से आगे हो गईं, जबकि आठवीं सीरीज में स्कोर 9-9 से बराबर हो गया था. इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और जीत हासिल करने के लिए उन्हें सिर्फ अगली तीन सीरीज की जरूरत थी, क्योंकि चीनी खिलाड़ी दबाव में पहले शॉट में चूक गए.

बीसीसीआई का बड़ा एक्शन, गौतम गंभीर के स्टाफ से 3 कोच किए बाहर, चौंकाने वाली वजह आई सामने

मुंबई,(आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बॉर्डर-गावस्कर सीरीज 2024-24 में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन के बाद गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ पर अपना चाबुक चलाया है. ऑस्ट्रेलिया में भारत की 1-3 से सीरीज हार के बाद अब बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ-साथ क्षेत्ररक्षण कोच टी. दिलीप और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को उनके पदों से हटा दिया है.बीजीटी 2024-25 में रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम 1-3 से हार गई और सीरीज के दौरान कई खबरें लीक हुईं. सीरीज हारना खेल का हिस्सा है, लेकिन ड्रेसिंग रूम से खबरें लीक होना एक आश्चर्य की बात थी. ऐसी खबरें थीं कि एक निश्चित खिलाड़ी टीम का अंतरिम कप्तान बनना चाहता था, फिर एक और चौंकाने वाली रिपोर्ट आई जिसमें आरोप लगाया गया कि भारत के कोच गौतम गंभीर ने लीक हुई खबरों के लिए सरफराज खान को जिम्मेदार ठहराया था।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और पंजाब में मुकाबला

शाम 7.30 बजे से होगा मैच

बेंगलुरु,(आरएनएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स से खेलेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी पर आरसीबी को इसमें घरेलू हालातों का लाभ मिल सकता है। अभी तक दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। दोनो ही टीमों ने अब तक चार-चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल किये हैं पर रेट रन रेट के आधार पर आरसीब तीसरे जबकि पंजाब चौथे स्थान पर है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बज्लेबाज और गेंदबाज हैं , ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने को मिलेगा। इस मैच में आरसीबी के बल्लेबाज विराट कोहली ओर पंजाब के स्पिनर युजवेंद्र चहल के बीच कड़ी टक्कर होगी। चहल ने पिछले मैच में जबरदस्त गेंदबाजी कर अपनी टीम की ओर से 112 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में सफलता हासिल की थी। आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर पिछले मैचों में स्पिनरों के सामने संघर्ष करना पड़ा था।

नीरज ने वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर में जीत हासिल की

पोटचेफस्ट्रूम ((आरएनएस)। भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका में हुई पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता में जीत हासिल कर सत्र की शानदार शुरुआत की है। चोपड़ा ने इस वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर शीर्ष स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में छह खिलाड़ियों ने भाग लिया था। नीरज ने यहां मेजबान देश के डौव स्मिट को भी पीछे छोड़ा जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर था। चोपड़ा का प्रदर्शन हालांकि उनके पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंचे। नीरज और स्मिट ही प्रतियोगिता में 80 मीटर से अधिक भाला फेंक सके। मेजबान देश के ही एक अन्य खिलाड़ी डंकन रॉबर्टसन ने 71.22 मीटर भाला फेंका ओर वह तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा आजकल दक्षिण अफ्रीक में अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी की निगरानी में अभ्यास कर रहे हैं। नीरज अब अगले माह 16 मई को दोहा डायमंड लीग में एलीट प्रतियोगिताओं में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

जनप्रतिनिधी तथा शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एक दूसरे के पूरक, जनहित के लिए कार्य करना हमारा कर्तव्य है : सांसद दर्शन सिंह चौधरी

सांसद श्री चौधरी ने नल जल योजनाओं के कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण करने के दिए निर्देश

जिला विकास एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं का धरातल पर बेहतर क्रियान्वयन किया जाए। निर्माण कार्य समय सीमा में और गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो। यह निर्देश सांसद एवं अध्यक्ष जिला विकास एवं निगरानी समिति (दिशा) दर्शन सिंह चौधरी ने गुरुवार को कलेक्टोरेट कार्यालय में आयोजित जिला विकास एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में अधिकारियों को दिए। सांसद नर्मदापुरम दर्शन सिंह चौधरी ने कहा है कि नर्मदापुरम जिले में हितग्राहियों को केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का लाभ बिना किसी परेशानी के समय पर मिले यह सुनिश्चित किया जाए। अधिकारी पूरी गंभीरता और तन्मयता से जनहित में कार्य करें। उन्होनें कहा है कि प्रत्येक विभाग जनसामान्य के लिए किये जाने वाले कार्यों एवं योजनाओं के अंतर्गत किये पत्राचार से संबंधित विधायकगणों को भी सूचित किया जाना सुनिश्चित करें। सांसद श्री चौधरी ने दिशा (जिला विकास एवं निगरानी समिति) की बैठक में विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएं जनता के हित के लिए बनी हैं इसलिए इनका ठोस क्रियान्वयन करना हम सभी का कर्तव्य है क्योंकि शासकीय अधिकारी/कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि एक दूसरे के पूरक हैं एवं हम सभी को अपने देश, प्रदेश, जिले तथा नगर के विकास के लिए सतत रूप से कार्य करना होगा। बैठक में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक सिवनी मालवा प्रेम शंकर वर्मा, जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे, नर्मदापुरम नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेन्द्र यादव, नगर पालिका इटारसी अध्यक्ष पंकज चौरे, मध्यप्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, कलेक्टर सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह,न संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा सराफ सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहें। बैठक में सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने जिले में स्वीकृत रेत खदानों की ठेका कंपनियों की समस्त जानकारी संबंधित तहसील एवं पंचायत कार्यालयों में चस्पा करवाने के निर्देश दिए। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने रेत कंपनियों द्वारा नियोजित कर्मचारियों की जानकारी पुलिस थानों में उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। श्री चौधरी ने कहा कि इन कर्मचारियों का क्रिमिनल रिकॉर्ड भी जांचा जाए और खनिज विभाग यह सुनिश्चित करे कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को चेक पोस्ट पर कार्य न करने दिया जाए।कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा खनिज अधिकारी को निर्देश दिए गए की ठेका कंपनियों को आवंटित की गई स्वीकृत खदानों के अतिरिक्त अन्य खदानों से किसी भी प्रकार के उत्खनन पर रोक लगाई जाए। जिला खनिज अधिकारी इस संबंध में निरंतर रूप से कार्यवाही करें। सांसद श्री चौधरी ने आवास योजना के तहत हितग्राहियों को रेत खनिज के लिए न्यूनतम रॉयल्टी पर रेत उपलब्ध करवाई जाने के निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने अवैध उत्खनन की शिकायतों को दर्ज किए जाने के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किए जाने के निर्देश खनिज अधिकारी को दिए। बैठक के दौरान सांसद श्री चौधरी ने जल संसाधन विभाग को निर्देशित किया कि जिले की नहरों में शीघ्र ही शेष पानी छोड़ा जाए साथ ही इसकी सतत रूप से पेट्रोलिंग भी की जाती रहे। जल संसाधन विभाग द्वारा घोषित कार्यक्रम निर्धारित कर जनप्रतिनिधियों के साथ नहरों का भ्रमण भी करें। उन्होंने जिले में अवैध शराब बिक्री पर शक्ति से प्रतिबंध लगाए जाने के भी निर्देश दिए।

भागवत कथा के चौथे दिन गूंजा नंद के आनंद भयो का जयघोष

भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा से भक्त हुए भावविभोर

नर्मदापुरम (निप्र)। कोठी बाजार स्थित माँ आदि शक्ति मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की दिव्य लीलाओं का वर्णन किया गया। कथा वाचक पं सद्भव तिवारी ने कंस वध का संकल्प और अत्याचार श्रीकृष्ण जन्म की भूमिका भगवान श्रीकृष्ण का जन्म वसुदेव द्वारा श्रीकृष्ण को गोकुल ले जाना और नंदोत्सव जैसे प्रसंगों को अत्यंत भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया। भागवत का आयोजन अधिवक्ता स्व प्रतिशचंद्र दत्ता की स्मृति में श्रीमती आरती दत्ता द्वारा किया जा रहा है। कथा के दौरान जैसे ही श्रीकृष्ण जन्म का वर्णन हुआ कथा स्थल नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की जैसे जयघोषों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने खड़े होकर तालियों और भक्ति भाव से जन्म का स्वागत किया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अद्भुत वर्णन ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। माँ आदि शक्ति मंदिर प्रांगण कलेक्ट्रेट मार्ग कोठी बाजार में आयोजित कथा में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक प्रवचन होते हैं। आयोजकों ने नगरवासियों से आगामी दिवसों की कथाओं में भी सपरिवार उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

10 मई को आयोजित होगी वर्ष 2025 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार दिनांक 10 मई 2025 को संपूर्ण भारत में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। यह लोक अदालत वर्ष 2025 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत होगी, जो तहसील स्तर से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक एक साथ आयोजित की जायेगी।

जिला नर्मदापुरम में यह लोक अदालत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशन तथा सचिव विजय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित की जायेगी। जिला मुख्यालय के साथ ही तहसील न्यायालय इटारसी, पिपरिया, सोहागपुर एवं सिवनी मालवा के न्यायालयों में भी इसका आयोजन किया जायेगा। इस लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकार के राजीनामा योग्य प्रकरणों जैसे आपराधिक मामले, विद्युत चोरी, चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक, सिविल, भू-अर्जन आदि मामलों को सुलह एवं आपसी सहमति के आधार पर निपटाया जायेगा। इसके साथ ही ऐसे प्रकरण जो अभी न्यायालय में प्रस्तुत नहीं हुए हैं, उन्हें प्रीलिटिगेशन के रूप में लोक अदालत में रखा जायेगा।

सांसद ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर जाने हाल चाल

नर्मदापुरम (निप्र)। सर्किट हाउस में होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र दर्शन सिंह चौधरी भाजपा कार्यकर्ता और आमजन से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। सांसद गुरुवार को नर्मदापुरम जिले के प्रवास पर थे। इस दौरान शहर के केशव हॉस्पिटल में उपचाररत भाजपा कार्यकर्ता का हाल.चाल जान भी अपने समथकों के साथ पहुंचे। सड़क हादसे में घायल डॉ योगेशमोहन सेठा का हाल.चाल जाना। वहीं उपचाररत पथोड़ी निवासी अनिल चौरे से कुशल कुशल छेम पूछी। इधर भाजपा मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे के निवास पर पहुंचकर स्वास्थ्य का हाल जाना। इस दौरान किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष योगेंद्र सिंह राजपूत किमो जिला उपाध्यक्ष अनिल दुबे विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव मप्र तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, गजेंद्र राजपूत, अभिलाष दुबे, पत्रकार कमलेश चौधरी गौरव जैन आदि मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी संबंधित विभाग अपेक्षित प्रगति लाए : कलेक्टर सोनिया मीना

उपार्जन प्रक्रिया की सतत मॉनिटरिंग एवं अनियमितताओं पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करें

नर्मदापुरम (निप्र)। बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने जल गंगा संवर्धन अभियान, सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई एवं अन्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने निर्देश दिए की जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी संबंधित विभाग अपेक्षित प्रगति लाए। उन्होंने वर्तमान प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में अभियान के तहत जो भी कार्य किए गए हैं उनमें अभी और प्रगति किए जाने की गुंजाइश है। कलेक्टर ने सख्त रूप से निर्देश दिए की जिले की जल संरचनाओं का चिन्हांकन कर उनका जीर्णोद्धार तथा पारंपरिक जल स्त्रोतों के भूजल स्तर को पुन: सुदृढ़ करने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जाए।औद्योगिक इकाइयों एवं अशासकीय भवनों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना को लेकर कलेक्टर ने भूमि स्वामियों को जागरूक एवं प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां भी यह सिस्टम स्थापित किया जा रहा है, वहां उसकी गुणवत्ता और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए।

बीटीआई में बन रही सड़क का नपाध्यक्ष नीतू यादव ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। वार्ड नंबर 27 बीटीआई में बन रही नई सड़क का गुरुवार को नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी को सड़क को गुणवत्ता पूर्ण बनाने और कार्य को समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष श्रीमती यादव के साथ वार्ड 27 की पार्षद बिंदिया मांझी और वार्डवासी उपस्थित थे। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि गर्मी बहुत तेज है सड़क की तराई का विशेष ध्यान रखें। जूट के बोरे से भी इस सड़क की तराई करें। ध्यान रहे कि बीटीआई क्षेत्र में पहलीबार साढ़े 4 सौ मीटर लंबी सीमेंट कांक्रीट की सड़क बनाई जा रही है। बीटीआई वासियों में सड़क बनने से खुशी की लहर है। वार्ड में सड़क बनाने पर पार्षद बिंदिया मांझी सहित वार्ड के नागरिकों ने नपाध्यक्ष श्रीमती यादव का आभार माना।

पलकमती नदी में जल संचयन हेतु बोरी बंधान कार्य सम्पन्न

विधायक विजयपाल सिंह सहित जनप्रतिनिधियों व स्थानीय नागरिकों ने किया श्रमदान

नर्मदापुरम (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सोहागपुर में पलकमती नदी में जल संचयन एवं भू-जल स्तर को बढ़ाने के उद्देश्य से बोरी बंधान कार्य का आयोजन किया गया। इस सराहनीय पहल के तहत नदी में बोरियों के माध्यम से जल प्रवाह को नियंत्रित कर जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस कार्य में सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, एसडीएम अनिल जैन सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान कर सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने मिलकर नदी तट पर बोरियों की व्यवस्थित कतारें लगाई, जिससे वर्षा जल का संचयन बेहतर ढंग से हो सकेगा तथा क्षेत्र का भू-जल स्तर बढ़ेगा। विधायक विजयपाल सिंह ने इस अवसर पर कहा कि जल संरक्षण एवं उनको सहेजना हमारा कर्तव्य है तथा ऐसे प्रयासों से ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षित कर सकते हैं। वहीं एसडीएम अनिल जैन ने भी नागरिकों से आह्वान किया कि वे जल संरक्षण अभियान में अपनी भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं की भी उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली।

जिले में स्मार्ट पीडीएस व्यवस्था के सफल क्रियान्वयन के लिए हितग्राहियों का eKYC करने का अभियान जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत संचालित लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली व्यवस्था के सुचारू क्रियान्वयन एवं 1 मई 2025 से स्मार्ट पीडीएस व्यवस्था के सफल संचालन तथा वास्तविक पात्र हितग्राहियों को उनकी पात्रता अनुरूप खाद्यान्न सामग्री नियत समय सीमा में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से म.प्र. शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा पात्र हितग्राहियों की eKYC कराये जाने हेतु माह अप्रैल 2025 में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अनुक्रम में 30 अप्रैल 2025 तक सभी पात्र हितग्राहियों की eKYC पूर्ण कराई जाना है। जिले में जिला प्रशासन द्वारा उक्त कार्य को निर्धारित समयावधि के पूर्व 25 अप्रैल 2025 तक पूर्ण कराये जाने का निर्णय लिया गया है। जिले में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना अंतर्गत खाद्यान्न सामग्री प्राप्त करने हेतु वर्तमान में 2,05,651 परिवार पंजीकृत है जिसके कुल 8,32,688 सदस्य (हितग्राही) सम्मिलित है। जिले में अभी तक 6,92,122 हितग्राहियों की eKYC पूर्ण हो चुकी है इस तरह अभी तक 80 प्रतिशत हितग्राहियों की ईकेवायसी का कार्य पूर्ण हुआ है। अभी भी 1,40,566 हितग्राहियों की eKYC होना शेष है।

कॅरियर गाइडेंस सेशन में विद्यार्थियों ने जाना कैसे बनते हैं सीए

नर्मदापुरम (निप्र)। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट इन इंडिया द्वारा स्प्रिंगडेल्स स्कूल में आयोजित कॅरियर गाइडेंस सेशन में विद्यार्थियों ने सीए बनने का मार्ग जाना। गुरूवार को विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक कॅरियर गाइडेंस सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को चार्टर्ड अकाउंटेंसी सीए जैसे प्रतिष्ठित कॅरियर विकल्प की संपूर्ण जानकारी देना था।भारत में इस विषय में शिक्षा देने वाली प्रतिष्ठित संस्था इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट इन इंडिया ;आईसीएआई भोपाल ब्रांच के अधिकृत करियर काउंसलर एवं प्रसिद्ध चार्टर्ड अकाउंटेंट अनमोल जैन ने विद्यार्थियों को सीए एक कॅरियर विकल्प विषय पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों को सीए बनने की प्रक्रियाए इसमें आने वाली चुनौतियाँ कोर्स संरचना और भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तार से बताया। श्री जैन ने यह भी बताया कि सीए एक ऐसा करियर है जिसमें विशेषज्ञता सम्मान और आकर्षक भविष्य की संभावनाएं समाहित हैं।इस सत्र में कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने सत्र के दौरान विषय से संबंधित विभिन्न सवाल पूछे जिनका सीए श्री जैन ने प्रेरक व सरल उत्तर देकर छात्रों के संदेह को दूर किया। इस अवसर पर स्कूल की जनरल मैनेजर श्रीमती सोनल सोखी ने कहा कि ऐसे सेशन विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और उन्हें उत्तम भविष्य हेतु जागरूक बनाते हैं। प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने कहा कि स्कूल विभिन्न प्रकार के विषय पर करियर मार्गदर्शन सत्रों का आयोजन विषय विशेषज्ञों के माध्यम से करता रहता है जिससे स्कूली शिक्षा के साथ विद्यार्थियों का भविष्य निर्माण आसान बनाया जा सके। सेशन का समापन स्मृति चिन्ह एवं धन्यवाद ज्ञापन और छात्रों की उत्साही प्रतिक्रियाओं के साथ हुआ।

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम खण्ड "अ" में आत्मनिर्भर भारत के तहत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की जानकारी दी गई

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के द्वारा विभिन्न विभाग से समन्वय स्थापित कर केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम के बंदियों को स्वरोजगार परक कौशल प्रशिक्षण प्रदाय किये जाने के निर्देश समीक्षा बैठक के दौरान दिये गये। निर्देशों के अनुक्रम में-उद्यानिकी विभाग जिला नर्मदापुरम के द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूहम खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की जानकारी हेतु 01 दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।उद्यानिकी विभाग जिला नर्मदापुरम से श्रीमती रीता उईके उपसंचालक, मनीष सोनी डी.आर.पी. द्वारा युवा शिक्षित 100 बंदियों को एवं महिला बंदियों द्वारा संचालित अंजनी स्व सहायता समूह की महिलाओं को असंगठित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को किस प्रकार संचालित किया जाये एवं इसके क्या-क्या लाभ है? शासन द्वारा कितना अनुदान प्राप्त होता है की लाभप्रद जानकारी एवं स्वरोजगार स्थापित करने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर संतोष सोलंकी जेल अधीक्षक, प्रहलाद सिंह बरकडे-उप जेल अधीक्षक, हितेश बडिया अष्टकोण अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन के लिए श्रीमती रीता उईके उपसंचालक उद्यानिकी विभाग जिला नर्मदापुरम को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय नर्मदापुरम

:: जाहिर सूचना ::

सूचित किया जाता है कि श्रीमती निशा साहू पति स्व. श्री राजेंद्र कुमार साहू निवासी वार्ड नंबर 31 मौर्य गली ग्वालटोली नर्मदापुरम तहसील नर्मदापुरम जिला नर्मदापुरम मप्र। श्रीमती निशा साहू ने आवेदन करते लेख किया है कि उनके पति स्व. श्री राजेंद्र कुमार साहू आत्मज श्री वंशी लाल साहू का निधन 03-12-2023 को हो गया है। पति स्व. राजेंद्र कुमार साहू के नाम पर एक वाहन जिसका पंजीयन क्रमांक एम पी 05 जेड ए 0622 है जो कि आरटीओ कार्यालय नर्मदापुरम में पति के नाम पर ही पंजीकृत है। पति की मृत्यु के पश्चात उक्त वाहन को श्रीमती निशा साहू अपने नाम पर आरटीओ कार्यालय नर्मदापुरम में दर्ज कराना चाहती हैं। मेरे तीन पुत्र / पुत्री आदेश साहू, अपूर्वा साहू, रितिका साहू हैं तीनों आत्मज स्व. राजेंद्र कुमार साहू हैं। जिनकी पूर्ण सहमति है। पति की मृत्यु के पश्चात श्रीमती निशा साहू वैधानिक उत्तराधिकारी हैं। भविष्य में कोई भी आपत्ति आती है तो उसकी संपूर्ण जबावदारी व जिम्मेदारी श्रीमती निशा साहू की होगी।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र.-1, नर्मदापुरम (म.प्र.)

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निविदा सूचना क्र0 06/2025/e-Tender/N.Puram **दि0 09/04/2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण बेवसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है:-

स. क्रं.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानती राशि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWDRB_415891	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	सेमरी खुर्द से इटारसी डोलरिया मार्ग का निर्माण कार्य, लंबाई 4.25 कि.मी.।	प्रथम	479.55	479550/-
2	2025_PWDRB_415892	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	एस.एच.22 हनुमान मंदिर से कुम्हाबड़ मार्ग का निर्माण कार्य।	प्रथम	417.55	417550/-
3	2025_PWDRB_415893	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	नर्मदापुरम हरदा मार्ग (एस.एच.15) से औबुदुल्लागंज नागपुर (पुराना एन.एच.69) से भोपाल तिराहा तक मार्ग का निर्माण कार्य।	प्रथम	457.88	457880/-
4	2025_PWDRB_415894	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	डापका से अनहोनी मार्ग का निर्माण कार्य, लंबाई 3.30 कि.मी.।	प्रथम	359.07	359070/-
5	2025_PWDRB_415895	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	पचमढ़ी में महादेस से डी.पी.चौराहा मार्ग का उन्नतिकरण कार्य,लंबाई1.50 कि.मी.।	प्रथम	154.98	154980/-
6	2025_PWDRB_415896	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	पचमढ़ी से राजेंद्रगिरी मार्ग का निर्माण कार्य, लंबाई 2.50 कि.मी.।	प्रथम	354.73	354730/-
7	2025_PWDRB_415897	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	पलिया पिपरिया से मछेराकला मार्ग का निर्माण कार्य।	प्रथम	308.56	308560/-
8	2025_PWDRB_415898	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	चॉदौन से करपा मार्ग का निर्माण कार्य।	प्रथम	365.20	365200/-
9	2025_PWDRB_415899	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	सोहागपुर, गुंदरई, करनपुर, आमदेही, नकदुआ,बारगांव,सांगई मार्ग का निर्माण कार्य।	प्रथम	254.28	254280/-
10	2025_PWDRB_415900	नर्मदापुरम	सड़क कार्य	खारीगांव पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य, लं0 1.00 कि.मी.।	प्रथम	153.48	153480/-
				योग (लाख में)		3305.28	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 29/04/2025 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाईन ही प्राप्त किए जावेंगे।

जी/11625/25

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

कार्यपालन यंत्री
लो0नि0वि0 संभाग नर्मदापुरम

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवरानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com